संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-238 शनिवार,29 जून 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबर

फूलो देवी नेताम संसद में बेहोश हुई

नीट मुद्दे पर कर रही थी प्रदर्शन

दिल्ली/रायपुर,28 जून 2024(ए)। कांग्रेस पार्टी की राज्यसभा सांसद फूलो देवी नेताम को चक्कर आने के बाद संसद से एम्बुलेंस में ले जाया गया। वे नीट मुद्दे पर सदन के वेल में प्रदर्शन कर रही थीं, तभी यह घटना हुई। उन्हें आरएमएल अस्पताल ले जाया गया। खबर है कि हंगामे के बीच फूलो देवी की तबीयत बिगड़ गई और वो बेहोश हो गईं। साथी सांसदों ने फूलो देवी को संभाला और तुरंत एंबुलेंस बुलाई। संसद परिसर में फूलो देवी को लेकर जाने का वीडियो सामने आया है। इसमें आगे आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भी बैठी दिख रही हैं।

फूलो देवी नेताम छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके की रहने वाली हैं और कांग्रेस से राज्यसभा सांसद हैं. वे छत्तीसगढ़ में महिला कांग्रेस की अध्यक्ष भी हैं।

राहुल गांधी को नीट पर बोलने नहीं दिया

» माइक बंद कर दिया...

» संसद में विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप...

नई दिल्ली,28 जून 2024(ए)। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस सांसद का कहना है कि नीट पर चर्चा की मांग के दौरान राहुल गांधी का माइक बंद किया गया। विपक्ष के नेता का माइक बंद करना बेहद शर्मनाक है। राहुल गांधी को एक मिनट भी बोलने नहीं दिया गया। सरकार को छात्रों के भविष्य की चिंता नहीं है। कांग्रेस सासंद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि देश में लगातार हो रहे पेपर लीक से युवाओं का भविष्य खराब हो गया है। नीट परीक्षा पेपर लीक हुआ था और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। जब विपक्ष के नेता ने इस मुद्दे को सदन में उठाया गया तो उनका माइक स्विच ऑफ कर दिया गया। अगर विपक्ष के नेता का माइक बंद कर दिया जाएगा तो अन्य सांसदों में गुस्सा तो होगा। हम मांग करते हैं कि इस मुद्दे पर चर्चा की जाए।

नीट के मुद्दे पर विशेष चर्चा करना चाहते थे:गांधी

नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस नेता ने कहा,विपक्षी दलों के सदन के नेताओं की बैठक हुई। उसमें सबकी एक राय थी कि आज हमें नीट के मुद्दे पर चर्चा चाहिए। हिंदुस्तान के छात्रों से कहना चाहता हूं कि यह आपका मुद्दा है, विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) को लगता है कि आज सबसे जरूरी बात आपकी है क्योंकि आप हिंदुस्तान के भविष्य हैं। आज इस पर चर्चा हो और फिर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा हो। संसद से यह संदेश जाना चाहिए कि देश की सरकार और विपक्ष मिलकर छात्रों के हितों की बात कर रहे हैं।

पहले धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होती है...किरेन रीजीजू

अनुमति नहीं दी और विपक्षी सदस्य हंगामा करते रहे। राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा से पहले नीट के मामले पर सदन में चर्चा करानी चाहिए, लेकिन संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि राष्ट्रपति अभिभाषण के बाद सबसे पहले इस पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होती है और अलग से किसी विषय पर चर्चा की परंपरा नहीं रही है।

कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित

संसद के दोनों सदनों में आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा चल रही थी। लोकसभा में शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी में कथित अनियमितता पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा किया। पहले लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित किया गया। जब कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो एक बार फिर विपक्षी दल पहले नीट पर चर्चा की मांग करने लगे। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही को सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

हेमंत सोरेन 5 महीने बाद जेल से बाहर आया

» सुनियोजित तरीके से आवाज दबाई जा रही...

» हाईकोर्ट बोला-पूर्व सीएम के खिलाफ सबूत नहीं...

रांची,28 जून 2024 (ए)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन को भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा कर दिया गया।

जैसे ही सोरेन जेल से बाहर निकले, बाहर इंतजार में खड़े बड़ी संख्या में झामुमो समर्थक हेमंत सोरेन के समर्थन में नारे लगाने लगे। 13 जून को, सोरेन के वकील और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

जेल से बाहर निकलने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए हेमंत सोरेन ने कहा, ÷मुझे 5 महीने तक सलाखों के पीछे रखा गया... हम देख रहे हैं कि न्यायिक प्रक्रिया में दिन या महीने नहीं बल्कि सालों लग रहे हैं...आज,यह पूरे देश के लिए एक संदेश है कि कैसे हमारे खिलाफ साजिश रची गई थी... हमने जो लड़ाई शुरू की और जो संकल्प हमने लिए, हम उन्हें पूरा करने के लिए काम करेंगे।

तीर्थयात्रियों से भरी मिनी बस की ट्रक से जोरदार भिड़ंत,13 लोगों की मौत

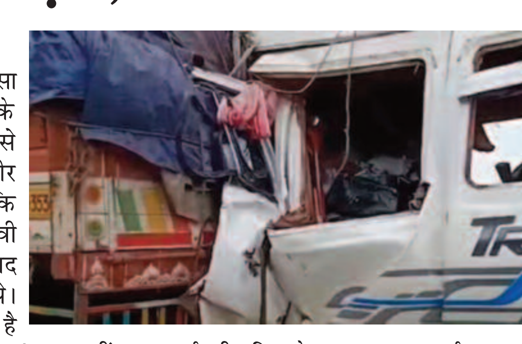

हावेरी (कर्नाटक), 28 जून 2024(ए)। कर्नाटक के हावेरी जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां ब्यादगी तालुक में शुक्रवार तड़के एक मिनी बस के खड़े ट्रक से टकरा जाने से 13 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि पीड़ित शिवमोगा के रहने वाले थे और देवी यल्लम्मा के दर्शन के लिए तीर्थयात्रा के बाद बेलगावी जिले के सवादट्टी से लौट रहे थे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने कहा कि ऐसा लगता है कि बस के चालक को नींद आ गई थी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

फिर सुर्खियों में राजा भैया की पत्नी

» इस मामले में गृहमंत्री अमित शाह से लगाई न्याय की गुहार

प्रतापगढ़,28 जून 2024 (ए)। उत्तर प्रदेश के कुंडा विधायक और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह की पत्नी भानवी सिंह ने एक बार फिर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर गृहमंत्री से न्याय की मांग की है। लोकसभा चुनाव के पहले भी एक्स पर लिखकर सीएम व पुलिस अधिकारियों से न्याय मांगती रहीं हैं। मुकदमा दर्ज हुए एक साल का समय बीत गया, पुलिस ने जांच के नाम पर मामले को ठंडे बस्ते डाल दिया है। जिससे उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है। दरअसल,कुंडा से विधायक राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने फरवरी 2023 में दिल्ली की आर्थिक अपराध शाखा विंग में एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह के खिलाफ आइपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 109 और 120बी के तहत केस दर्ज कराया था। भानवी का आरोप है कि अक्षय प्रताप ने उनके फर्जी हस्ताक्षर कर उनकी कंपनी के शेयर हथिया लिए हैं। इसके लिए उन्होंने भानवी सिंह के फर्जी डिजिटल साइन बनवाए। कंपनी से उन्हें हटाकर खुद डायरेक्टर बन गए।

इसी मामले को लेकर एक बार फिर भानवी सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के बाद देश के गृहमंत्री अमित शाह से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, मेरा देश के गृहमंत्री अमित शाह से निवेदन है कि मुझको निष्पक्ष न्याय दिलाने में मदद करें। ईओडब्ल्यू प्रतापगढ़ एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह को जालसाजी और धोखाधड़ी के मेरे साथ हुए अपराध (संख्या 13/2023, मंदिर मार्ग, दिल्ली में दर्ज) के मामले में बचाने की कोशिश कर रही है।

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 की गिरी छत,6 घायल

नई दिल्ली, 28 जून 2024(ए)। दिल्ली में तेज़ बारिश के दौरान इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल एक की छत गिर गई। शुक्रवार सुबह हुए इस हादसे में 6 लोग घायल हो गए हैं। घटना की सूचना पर दिल्ली फ़ायर विभाग की चार गाड़ियां रेस्क्यू के लिए पहुंची. छतों की शीट के अलावा सपोर्ट बीम भी गिर गए हैं।

महिलाओं के खाते में हर महीने आएंगे 1500 रुपये

एनडीए सरकार की बड़ी सौगात

मुंबई, 28 जून 2024(ए)। महाराष्ट्र की एनडीए सरकार ने चुनावी सीजन में पेश बजट में बड़े ऐलान किए हैं। वित्त मंत्री अजित पवार की ओर से पेश बजट में मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना तर्ज पर महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये देने का ऐलान किया है। इस स्कीम का फायदा 21 से 60 साल तक की उम्र की महिलाओं को मिलेगा। इस स्कीम का नाम मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना रखा गया है। इस स्कीम को 1 जुलाई से ही लागू कर दिया जाएगा। इसका अर्थ है कि अगले महीने से राज्य की महिलाओं को 1500 रुपये मिलने शुरू हो जाएंगे। इस स्कीम के लिए 46 हजार करोड़ रुपये का सालाना बजट तय किया गया है। एकनाथ शिंदे सरकार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के ठीक पहले यह फैसला लिया है। ऐसे में इसे चुनावी दांव के तौर पर भी देखा जा रहा है। राज्य में वैट में कटौती की गई है और इसके चलते पेट्रोल एवं डीजल के दामों में भी कमी आई है। एक और कल्याणकारी योजना का ऐलान करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि 5 सदस्यों वाले परिवार को हर साल तीन सिलेंडर फ्री में दिए जाएंगे। इसे मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना का नाम दिया गया है। एकनाथ शिंदे सरकार ने किसानों को भी साधने की कोशिश करते हुए बकाया बिजली बिल माफ करने का ऐलान किया है। इससे 44 लाख किसानों को फायदा मिलेगा। इन स्कीमों के अलावा राज्य में वैट कम होने से पेट्रोल की कीमत में 65 पैसे की कमी आई है। इसके अलावा डीजल भी 2.07 रुपये कम हुआ है। डीजल की कीमत में कटौती करने से किसानों को भी फायदा होगा। राज्य सरकार के इस बजट से उम्मीद की जा रही थी कि कुछ कल्याणकारी योजनाओं का ऐलान होगा क्योंकि अगले कुछ महीनों में ही चुनाव होने हैं। एकनाथ शिंदे सरकार ने अपने बजट इन चर्चाओं को सही साबित किया है।

नशामुक्ति अभियान में सामाजिक न्याय मंत्री ने पत्नियों को दी सलाह

» बाहर पीने वाले पतियों से कहें शराब घर लाकर पिए...

» कांग्रेस बोली-इससे घरेलू हिंसा बढ़ेगी...

भोपाल,28 जून 2024(ए)। नशा मुक्ति अभियान मंच से सामाजिक न्याय मंत्री की पतियों की शराब बंद कराने के लिए पत्नियों को सलाह दी है कि बाहर पीने वाले पतियों से कहें शराब घर लाकर पिए। यह सलाह नशा मुक्ति अभियान में मंच से सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने दी है। कहा- जो बाहर से शराब पीकर आते हैं, उनसे कहे घर लाकर पिए। महिला बच्चों के सामने शराब पियेंगे तो उन्हें शर्म आएगी,इससे धीरे-धीरे पीने की लत छूट जाएगी।मंत्री ने कहा कि शराब पीने वालों को महिलाएं बेलन दिखाएं। शराब पीकर घर आने वालों को खाना बनाकर मत दो। महिलाएं कम्युनिटी बनाएं, बेलन गैंग बनाएं। शराब पीकर घर आने वालों को बेलन दिखाएं। सामाजिक संस्कारों के कारण कई लोग ऐसा नहीं कर पाते लेकिन गलत काम रोकने के लिए संस्कार आड़े नहीं आना चाहिए। जिन प्रदेशों में शराब बंद वहां भी आ जाती है। मध्यप्रदेश में शराबबंदी के सवाल पर मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि-मैंने पूर्व सरकार में शराबबंदी का सुझाव दिया था। जिन प्रदेशों में शराब बंद हुई है वहां भी आ जाती है। महाराष्ट्र सहित अन्य प्रदेशों में शराब बंद है लेकिन आ जाती है। शराबबंदी सरकार स्तर पर विचाराधीन है, आगे केंद्र और राज्य सरकार इस पर निर्णय ले भी सकती हैं। कहा- जन जागरूकता से शराबबंदी हो सकती है।

महिलाओं से माफी मांगे मंत्री-कांग्रेस

मंत्री के बयान पर कांग्रेस ने तंज कसा है। कांग्रेस प्रवक्ता संगीता शर्मा ने कहा कि-घर लाकर शराब पीने से घरेलू हिंसा के मामले बढ़ेंगे। प्रदेश में घरेलू हिंसा का कारण ही शराब है। पत्नी बेलन उठाएगी तो पति भी जवाब देंगे।

आज से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा

जम्मू कश्मीर,28 जून 2024 (ए)। अगर आप भगवान श्री अमरनाथ के दर्शन के लिए आना चाहते हैं और किन्हीं कारणों से पंजीकरण नहीं करवा पाए हैं तो घबराएं नहीं। अभी भी अवसर हैं। अमरनाथ श्राइन बोर्ड और जम्मू प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए तत्काल पंजीकरण की भी व्यवस्था की है। यात्रा से दो दिन पहले यह पंजीकरण करवाना होगा अर्थात 26 जून से पंजीकरण आरंभ हो गया है। जम्मू शहर में पांच तत्काल पंजीकरण केंद्र बनाए गए हैं। आवश्यक है कि आप अपनी पहचान के लिए आधार कार्ड लाना न भूलें, मेडिकल जांच मौके पर ही होगी। आषाढ़ पूर्णिमा यानी 29 जून से इस यात्रा की शुरुआत होगी जो रक्षाबंधन तक चलेगी। पूरे सावन के महीने में भगवान भोलेनाथ के भक्त बाबा अमरनाथ की यात्रा का लाभ ले सकते है। छड़ी मुबारक यात्रा के साथ इसका समापन होता है. इस साल 19 अगस्त को यात्रा समाप्त होगी।

पहले आओ,पहले पाओ के आधार पर होगा पंजीकरण

यह सुविधा उन सब श्रद्धालुओं को राहत देगी जो पंजीकरण कराने से चूक गए हैं। दो लाख से ज्यादा श्रद्धालु एडवांस पंजीकरण करा चुके हैं। यात्रा पर आने वाले साधु-संतों के लिए दो केंद्र बनाए गए हैं। तत्काल पंजीकरण के लिए श्रद्धालुओं की संख्या उपलब्ध कोटे के आधार पर होगी और यह पूरी तरह पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगी। अर्थात पहले से पंजीकृत श्रद्धालुओं को अवसर मिलने के बाद कोटा प्रतिदिन जारी किया जाएगा और उस कोटा के आधार पर श्रद्धालुओं का पंजीकरण किया जाएगा।

यहां अमरनाथ श्राइन बोर्ड प्रतिदिन दोनों यात्रा मार्ग से अधिकतम 10-10 हजार श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति देता है और मौसम की चुनौती के कारण यह संख्या घट भी सकती है।श्रद्धालुओं को सबसे पहले जम्मू रेलवे स्टेशन के पास सरस्वती धाम में पंजीकरण के लिए फार्म भरना होगा। उसके आधार पर एक टोकन दिया जाएगा। उसके आधार पर दूसरे दिन पंजीकरण केंद्र पर जाकर यात्रा के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करवानी होगी।

एक जुलाई से नया आपराधिक कानून लागू

घर बैठे ही दर्ज होगी ई-एफआईआर

ग्वालियर,28 जून 2024(ए)। देश मे अब एक जुलाई से नया आपराधिक कानून लागू होने जा रहा है। हत्या, लूट, बलात्कार जैसे कई गंभीर अपराधों पर घर बैठे ही ई-एफ आईआर दर्ज कराई जा सकेंगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के नियम से लोगों को अब थानों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। जिसे लेकर आज जिले के सभी पुलिस के अधिकारियों और थाना प्रभारी चौकी प्रभारी की एक बैठक की गई। जिसमें दिशा निर्देश दिए गए है कि किस तरह ई-एफआईआर पर कार्य करना है।

दरअसल ग्वालियर के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नए कानून को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। चौकी से लेकर थानों तक इस संबंध में सभी थाना और चौकी प्रभारीयों सहित पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें बताया गया कि नए कानून की किस तरह व्यवस्था करनी है। पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि,भारत की जो न्याय प्रणाली है उसमें बहुत ही आधारभूत परिवर्तन नए कानून की तहत हुए हैं। 1 जुलाई से जो क्रिमिनल जस्टिस से संबंधित जो तीनों नए कानून है उनका क्रियांवान होने जा रहा है। नए कानून नागरिकों के अधिकारों और पीड़ति को न्याय दिलाने के लिए आधारित है। इसकी अवधारणा विक्टिम ओरिएंटेड और न्याय ओरिएंटेड है। समय वध तरीके से पूरी पारदर्शिता के साथ विवेचना हो और सही समय से ट्रायल कनक्लूड हो और पीड़ति को न्याय मिल सके इस अवधारणा पर यह न्याय प्रणाली आधारित होगी।

बैठक में बताया गया नया कानून

उन्होंने कहा पिछले कई महीनों से ग्वालियर जिले में हम लोग प्रशिक्षण शिविर चला रहे हैं। हमने सभी अधिकारियों को तीन-तीन दिन के सत्रों में प्रशिक्षण दिलवाई है। पुलिस मुख्यालय के द्वारा बहुत ही अच्छा मटेरियल ट्रेनिंग के रूप में प्रदान किया गया है। वहीं ग्वालियर जिले की आरक्षक से लेकर सभी रैंक के अधिकारी नए कानून की प्रक्रिया के बारे में बहुत ही ट्रेंड हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज भी हमने थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी की बैठक बुलाई है। जिसमें उनके साथ चर्चा की गई कि किस प्रकार से एक जुलाई से हम लोग अपना कार्य करना प्रारंभ करेंगे। कोई दिक्कत तो उसमें नहीं आने वाली है।

संपादकीय

सख्त कानून लागू

सरकार ने पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 लागू कर दिया है। इस एंटी-पेपर लीक कानून के तहत पेपर लीक या उत्तर-पुस्तिका से छेड़छाड़ करने पर कम से कम तीन साल की सजा होगी जिसे दस लाख तक के जुर्माने के साथ बढ़ा कर पांच साल तक भी किया जा सकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चार महीने पहले ही लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 को मंजूरी दे चुकी थीं। इस कानून का उद्देश्य यूपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिग भर्ती परीक्षाओं और एनटीए द्वारा आयोजित अन्य तमाम परीक्षाओं में अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकना है।इस तरह के संगठित अपराध में शामिल लोगों पर अब न्यूनतम एक करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। इस कानून से पहले राज्यों में नकल रोकने और परीक्षा में किसी भी तरह की धांधली को रोकने संबंधी कानून बनाए गए हैं।ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात और उत्तराखंड में ऐसे कानून हैं। हालांकि ये उस तरह के नतीजे देने में असफल रहे हैं, जिनके बलबूते परीक्षाओं को पारदर्शी बनाया जा सके।इस नये कानून द्वारा परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था के प्रमुख और सदस्यों को लोक सेवक माना जाएगा ताकि उनके खिलाफ अपराध के साथ ही भ्रष्टाचार का मामला भी चलाया जा सके। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं पर उठने वाली उंगलियों के कारण युवाओं का भरोसा लगातार टूट रहा है।बार-बार परीक्षा प्रणालियों पर संदेह और उनकी पारदर्शिता धूमिल पडने के चलते प्रतियोगियों में निराशा व्याप्त होती जा रही है। चूंकि अब यह संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में आ गया है,इसलिए कोई भी पुलिस अधिकारी बगैर वारंट भी अपराधी को गिरफ्तार कर सकता है।भले ही यह फैसला लेने में सरकार ने काफी ढिलाई बरती है लेकिन देर आयद दुरुस्त आयद क्योंकि उच्च शिक्षा या नौकरी के लिए परीक्षार्थियों का समूचा भविष्य ही दांव पर लगा होता है। परीक्षाओं में धांधली होनहार युवाओं को नैतिक तौर पर बुरी तरह तोड़ देती है।हालांकि सख्त कानून बनाने में वक्त लगता है। विशेषज्ञों की राय और विभिन्न दृष्टिकोणों से इसे उस सख्ती से लागू किया गया ताकि भविष्य में इस तरह का कोई संकट ही न खड़ा हो सके। साथ ही,इस तरह के अपराधियों पर लगाम कसी जा सके। देखा जाना है कि कानून सख्त किए जाने के बाद पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों पर नकेल कसने में हम किसने सफल होते हैं।

राहुल गांधी का कद भी बढ़ा एवं राजनीतिक कौशल भी

» राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं...इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं...वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं...इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है...

राहुल गांधी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता बन गये हैं, यह उनका पहला संवैधानिक पद है, इससे पहले वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। इस बड़े पद के साथ उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जायेंगी। दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं। लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा। निश्चित ही राहुल गांधी का कद बढ़ा है और अब वे स्वल्प समय में ही कद्दावर नेता की तरह राजनीति करने लगे हैं। राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है। राहुल की राजनीति को चमकाने में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' के अलावा मणिपुर से मुंबई तक की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब प्रतिनेता के रूप में उनकी एक नई यात्रा शुरु हो रही है जो उन्हें नई राजनीतिक ऊंचाई दे सकती है। देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी एवं जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने एवं सरकार की नीतियों-योजनाओं पर तीखी नजर रखने एवं प्रभावी सवाल उठाने की स्थितियों को बल मिलेगा। लेकिन विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो, बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए। नेता प्रतिपक्ष पद से सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है। राहुल की सुविधाएं बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ गयी है। 16 वीं और 17 वीं लोकसभा में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास इस पद के लिए आवश्यक 10 प्रतिशत सदस्य नहीं थे। कांग्रेस ने इस बार लोकसभा चुनाव में 99 सीट जीतकर इस पद को हासिल किया है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केंद्रीय सतर्कता आयोग,केंद्रीय सूचना आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़े चयन के अलावा लोकपाल, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक जैसी प्रमुख नियुक्तियों पर महत्वपूर्ण पैनल के सदस्य भी होंगे। प्रधानमंत्री इन पैनल के प्रमुख होते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी को लोकसभा में पहली पंक्ति में सीट मिलेगी। यह सीट डिप्टी स्पीकर की सीट के बगल वाली होगी। इसके अलावा संसद भवन में सचिवीय तथा अन्य सुविधाओं से युक्त एक कमरा भी मिलेगा। विपक्ष के नेता को औपचारिक अवसरों पर कुछ विशेषाधिकार भी प्राप्त होते हैं। एक केन्द्रीय मंत्री को मिलने वाली सभी सुविधाएं राहुल गांधी को मिलेगी।

राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल को मनोवैज्ञानिक लाभ पहुंचाया है, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि बनी है। इससे कांग्रेस ने अपना आत्मविश्वास फिर से पा लिया है,जो कोई छोटी बात नहीं। और यह राहुल और प्रियंका गांधी की गतिविधियों में साफ झलकता है। साथ ही, अब इस बात को लेकर भी कांग्रेस में कोई दुविधा नहीं रह गई है कि गांधी परिवार ही सर्वोच्च है और पार्टी पर उसका पूरा नियंत्रण होगा। इसका यह भी मतलब है कि टीम-राहुल का सभी मामलों में फैसला अंतिम होगा।

पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सदन के भीतर पहली बार वह कोई पद संभालने जा रहे हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं। कांग्रेस का सबसे बड़ा काम दलित और पिछड़े मतदाताओं ने यूपी में जो उनकी मदद की है, उनका विश्वास बनाए रखने का है। यह बड़ी सचाई है कि आज भी देश के महत्त्व के राज्यों में भाजपा को क्षेत्रीय दल शिकस्त दे रहे हैं। अगर क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का गठजोड़ बना रहे, तो ही भाजपा पर दबाव आएगा। बड़ा सच यह भी है कि न भाजपा बदली है ना उसकी विचारधारा। भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी को भले ही चुनावों में पूर्ण बहुमत न मिला हो,लेकिन वह ही आज ताकतवर है। यह भी समझना होगा कि भाजपा विपक्ष की ताकत से नहीं, बल्कि सरकार की बड़ी गलतियों एवं पार्टी के अति उत्साह से नुकसान में पहुंची है।

यह भी एक तथ्य है कि मुस्लिमों के सक्रिय-समर्थन के बिना कांग्रेस को कामयाबी नहीं मिल सकती थी। निश्चित ही मुसलमानों के वोट की अहमियत कुछ-कुछ सीटों पर हार-जीत का फैसला कर गई है। भाजपा अपनी आगे की रणनीति इसी आधार पर बनाएगी और वो पिछले चुनावों के जैसी ही होगी। मतलब कि भाजपा कोई नई भाषा नहीं बोलने वाली है। वह आरोप लगाती रहेगी कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करती है। कांग्रेस के सामने चुनौती होगी कि वो इस आरोप को अपने पर आने न दे, ताकि भाजपा हिंदुओं के हितों की एकमात्र रक्षक है,ऐसा दावा ना कर सके। कांग्रेस को इस हिंदू-मुस्लिम राजनीतिक बवंडर से बचने के लिये अपनी रणनीति को बनाना होगा। बिना हिन्दू वोट के कांग्रेस सफल राजनीतिक पारी नहीं खेल सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सफलता और निष्फलता का सही आकलन कर लेना जरूरी है। जनता के समक्ष अपना आत्मविश्वास बढ़ाए रखना अच्छी बात है,लेकिन मोदी आज जिस जमीन पर खड़े हैं, जनता के बीच उनकी जो स्वीकार्यता है उसका सही आकलन करना कांग्रेस की आगे की रणनीति के लिए बेहद जरूरी होगा।

राहुल गांधी सदन में विपक्ष की मजबूत आवाज बनकर उभरेंगे,इसमें सन्देह नहीं है। पक्ष एवं विपक्ष के बीच एक संतुलन बनना लोकतंत्र की खूबसूरती है एवं अपेक्षा भी है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में विपक्ष के नेता की प्रमुख भूमिकाओं में से एक सरकार की नीतियों पर 'प्रभावी' सवाल उठाना है। विपक्ष के नेता की भूमिका वास्तव में बहुत चुनौतीपूर्ण होती है क्योंकि उसे सरकार की विधायिका और जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करनी होती है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें सरकारी प्रस्तावों-नीतियों के विकल्प प्रस्तुत करने होते हैं। निश्चित तौर पर आने वाले दिनों में राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष अलग एवं ऊंचे स्तर पर अपने तेवर दिखा सकता है। सरकार के लिए कोई भी बिल पास कराना अब इतना आसान नहीं होगा। मोदी की स्थिर सरकार देने की जद्दोजहद के बीच मोदी और राहुल के बीच की टकराव की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता है, लेकिन बावजूद इसके सदन में सकारात्मक वातावरण बना रहना भी जरूरी है। स्थिर सरकार देश की बड़ी जरूरत है, राजनेताओं से उम्मीद की जाती है कि एक बार जनादेश आने के बाद वे चुनावी दौर की कड़वाहट एवं आरोप-प्रत्यारोप की छिछालेदार राजनीति को भुलाते हुए जनता के हित में मिलकर काम करें। इस बार भी चुनाव में अपनी-अपनी पार्टियों के प्रचार की अगुआई करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी ने एक-दूसरे पर खूब हमले बोले हैं। अब उन बातों को पीछे छोड़ते हुए उन्हें बेहतर तालमेल वाले कामकाजी रिश्ते कायम करते हुए देशहित को सामने रखना होगा। राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठना होगा।

-ललित गर्ग-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

भगवान श्री राम को राजनीति में घसीटना ठीक नहीं है...

संजय गोस्वामी
मुंबई, महाराष्ट्र

आज अयोध्या को लेकर चुनाव जितने पर जय श्री राम बोलने पर जय अवधेश बोलना गलत है क्योंकि भगवान श्री राम अयोध्या में नहीं बल्कि पूर्ण संसार में एक मात्र ईश्वर स्वरूप है जिसे स्वामी विवेकानंद ने भी ईश्वर का दर्जा दिया है। चुनाव आएंगे जायेंगे लेकिन प्रभु राम अनंत शक्ति और पूर्ण संसार का एक मात्र मालिक है क्योंकि उनका जीवन संघर्ष से भरा रहा । कभी महलों में पलने वाले प्रभु राम को 14 साल जंगल में बिताना पड़ा और राम मंदिर पर सियासत करना सही नहीं, नहीं तो आपके मन में त्याग के बदले रावण रूपी विचारों का प्रवेश हो जायेगा । यदि क़ोई भगवान राम से बड़ा मानता है तो उसकी भयंकर भूल है । इन सब बातों से ऊपर उठते हुए एक आदर्श व्यक्तित्व हमारे सामने नजर आते और वे है प्रभु श्री राम के रूप में जब बात आदर्श की हो तब सबको भगवान श्री राम ही दिखते हैं। ऐसा क़ोई पुरुष नहीं हुआ जो अपने आज परिवारों में भाई से भाई का प्रेम कहीं नजर नहीं आ रहा। श्री राम से यहां हम सीख सकते हैं कि किस प्रकार उन्होंने व उनके भाइयों ने अपने संपूर्ण जीवन में अपने आपसी बंधुत्व का परिचय दिया।भगवान राम भगवान विष्णु के अवतार थे भागवत कथा के अनुसार विष्णु ने इन्द्र का देवलोक में अधिकार पुनः स्थापित करने के लिए यह अवतार लिया। देवलोक असुर राजा बलि ने हड़प लिया था। बलि विरोचन के पुत्र तथा विष्णु भक्त प्रह्लाद के पौत्र थे और एक दयालु असुर राजा के रूप में जाने जाते थे। यह भी कहा जाता है कि अपनी तपस्या तथा शक्ति के माध्यम से बलि ने त्रिलोक पर आधिपत्य पा लिया था।वामन, एक बौने ब्राह्मण के वेष में बलि के पास गये और उनसे अपने रहने के लिए तीन पग भूमि देने का आग्रह किया। उनके हाथ में एक लकड़ी का छत्र (छाता) था। गुरु शुक्राचार्य के चेताने पर भी बलि ने वामन को वचन दे डाला।राजा बलि से जल स्वीकारते हुए भगवान वामन ने अपना आकार इतना बढ़ा लिया कि पहले ही पग में पूरा भूलोक (पृथ्वी) नाप लिया। दूसरे पग में देवलोक नाप लिया। इसके पश्चात् ब्रह्मा ने अपने कमण्डल के जल से वामन के पाँव धोये। इसी जल से गंगा उत्पन्न हुयीं। तीसरे पग के लिए कोई भूमि बची ही नहीं। वचन के पक्के बली ने तब वामन को तीसरा पग रखने के लिए अपना सिर प्रस्तुत कर दिया। वामन बलि की वचनबद्धता से अति प्रसन्न हुये अतः जो पूर्ण ब्रह्माण्ड पर नियंत्रण है। अतः जो पूर्ण पृथ्वी को नाप सकता है वो पूर्ण ब्रम्ह का स्वामी है। ऐ तो बहुत प्राचीन बातें हैं लेकिन यदि 500-600 साल पीछे जाते हैं जब हिन्दू धर्म पर अत्याचार हो रहें थे तो उसे बचाने के लिए गुरुनानक जी आएं और धर्म की रक्षा की ओर अग्रसर किया जब मुगलों का अत्याचार बढ़ता जा रहा था। उसी कड़ी में सिखों के दसमें गुरू श्री गुरुगोविन्द सिंह भगवान श्री राम के अवतार में अवतरित हुए जो पटना साहिब के कंगन घाट गुरूद्वारा में ऊपर ही चित्रित किया है । जी हाँ धर्म की रक्षा हेतु सिखों के दसमें गुरु गोविन्द सिंह भगवान श्री राम के रूप में अवतरित हुए थे। नहीं यकीन होता तो आप पटना सिटी के कंगन घाट पर जाए वहाँ ये ऐतिहासिक घटना घटी थी जब बालक गोविन्द पटना सिटी के कंगन घाट हमेशा नहाने के लिए जाते थे वही पंडित शिवदत्त भगवान राम की पूजन में प्रसाद चढ़ाया करता था लेकिन हर दिन ध्यान लगाने के क्रम में प्रसाद गायब हो जाता था। एक दिन जब बालक गोबिंद जब गुरूजी की आयु महज 5वर्ष थी गुरु जी पंडित शिवदत्त के पास प्रसाद लेने गए थे तो जैसे ही प्रसाद उठाने लगे तो पंडित शिवदत्त ने कहा आप प्रसाद क्यों उठा लेते हो तब गुरु गोविन्द सिंह ने कहा आप प्रसाद किसे चढ़ाते हो। उन्होंने कहा भगवान राम क़ो । तब बालक गोविन्द ने उत्तर दिया मैं आपका प्रसाद गरीबों क़ो बाँट देता हूँ फिर उन्होंने पंडित शिव दत्त क़ो बालक गोविन्द ने आँखे बन्द कर भगवान राम का ध्यान करने क़ो कहा। जैसे उन्होंने आंखे खोली उन्हें बालक गोविन्द भगवान राम के रूप में दिखी और फिर वो उनके भक्त हो गए। गुरु गोविन्द सिंह सिक्खों के दसवें और अन्तिम गुरु थे। उनका जन्म पौष, सुदी सप्तमी, संवत् 1723 विक्रमी, तदनुसार सन् 1666 ई0 में पटना (बिहार) में हुआ था। उनके पिता सिक्खों के नवें गुरु तेगबहादुर तथा माता गूजरी थीं। उनका आरंभिक नाम गोविन्दराय था। उनकी शिक्षा-दीक्षा पटना में ही हुई। माँ ने गुरुमुखी और पिता गुरु तेग बहादुर ने उन्हें शस्त्र-शास्त्र दोनों की शिक्षा प्रदान की। भगवान श्री राम हैं दया के सागर थे और गुरु गोविन्द सिंह जी भी भगवान राम सभी मर्यादा का पालन किया। गुरु ने भी सभी मर्यादा का पालन किया भगवान राम महान तीरंदाज़ थे वही प्रतिभा गुरु गोविंद सिंह जी में भी थी गुरु गोविन्द सिंह में बचपन से ही अलौकिकता दिखायी देती थी। कश्मीरी पण्डितों को औरंगजेब ने जब मुसलमान बनाना चाहा, तो सब मिलकर गुरु तेगबहादुर के पास आनन्दपुर गये और उन्हें अपनी करुण कहानी सुनायी। उनकी बातों से गुरु तेगबहादुर मौन, उदास और दुखी हो गये। उसी समय नववर्षीय गोविन्दराय उनके पास आये। उन्होंने पिता से उनकी उदासी का कारण पूछा। पिता ने बताया,पण्डितों पर घोर संकट है। औरंगजेब उन्हें मुसलमान बनाना चाहता है। गोविन्दराय ने पूछा,इससे बचने का उपाय क्या है। गुरु तेगबहुदर ने उत्तर दिया, औरगजेब की प्रचण्ड धर्म की द्वेषाग्नि में किसी महान् धर्मात्मा की आहुति ही इससे बचने का उपाय है। गोविन्दराय तुरन्त बोल उठे, आपसे बढ़कर कौन धर्मात्मा भारतवर्ष में होगा? आप ही उस अग्नि की आहुति बनिए। गुरु तेगबहादुर ने समझ लिया कि मेरा पुत्र मेरे न रहने पर गुरु-गद्दी का भार वहन कर लेगा। 1775 ई0 में गुरु तेगबहादुर हँसते-हँसने दिल्ली में शहीद हुए। भगवान श्री राम जैसे आसक्त मन वाला होना गुरू गोविन्द में दिखती है। क्योंकि त्याग और बलिदान की भावना जो भगवान राम में थी वही गुरु गोविन्द सिंह जी में भी थी और बन्दा वैरागी उनके हनुमान थे। जब भी गुरू पर संकट आता बन्दा वैरागी उसका हल तुरंत कर देते थे वो भी आध्यात्मिक थे। बीजेपी को इस चुनाव में मुद्दा नहीं बनाना चाहिए था क्योंकि भगवान श्री राम बिन बोले सब कुछ जानते है जिसे अन्तर्यामी भी कहते हैँ चुनाव में हुआ कुछ इस तरह कि मैंने राम मंदिर बनाया। अतः मुझे वोट दीजियेगा लेकिन एक बात ग़ौर करने वाला है। दिए को जलाने बस एक चिंगारी बहुत है और वातावरण में ऑक्सीजन के कारण जल उठता है लेकिन आप पंखा चला देंगे तो बुझ जाता है। यानि प्राकृतिक में जरूरत से ज्यादा हवा देने पर बुझ जाता है । यहीं चुनाव में हुआ जहाँ शांत रहकर दीपक को जलते देना चाहिए। वहाँ आपने अपना हवा चला दिया जो जल रह था वो बुझ गया। लेकिन यदि आप अपने इतिहास पर नजर डालेंगे तो भारत में जितने भी महात्मा हुए वो सभी भगवान श्री राम को भज-भज कर अंतःकरण को शुद्ध किया और शांति में ही राम की कृपा से महान पुरुष बने यदि किसी नेताओं को ऐ लगता है मैं ही सबकुछ हूँ तो यह उसके अज्ञानता के कारण है उसे इतना भी मालूम नहीं कि भगवान श्री राम ने पत्थर की अहिल्या को जीवित कर दिया था। यदि आप ऐसा कर पाते हैँ तो नामुमकिन है जो राम का असली भक्त है वो सभी मर्यादा को पालन करता है केवल राम का नाम लेकर नेता होटलो क्लबों या किसी आलीशान बंगले में नजर आते हैं और वे ही बर्षाति मेढकों की तरह टर्र-टर्र करते नजर आएंगे जो सच्चा भक्त होगा। वो माता पिता की सेवा करते नजर आएंगे। इतना होने के बाद भी लोग यह भी नहीं जानते कि अंत में राम नाम सत्य होने वाला है ऐ चिंता की बात है।

आपातकाल में संघ की भूमिका महत्त्वपूर्ण अध्याय

भारतीय राजनीति में जब कभी भी लोकतांत्रिक इतिहास का कलंकित अध्याय खोला जाएगा,तो वह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा सांविधानिक प्रावधानों की निर्मम हत्या कर देश में आपातकाल की घोषणा 25 जून की मध्यरात्रि ही रहेगा।आपातकाल महज नागरिक स्वतंत्रता को निलंबित करना एवं समाज में पुनः निरंकुश कानून को स्थापित करना भर नहीं था, बल्कि इलाहबाद उच्च न्यायालय में गांधी की एकतरफा हार का प्रमुख कारण रहा। तत्पश्चात अपने हजारों राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार किया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को कम कर दिया गया और सरकार के लिए खतरा माने जाने वाले संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। उन संगठनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) एक प्रभावशाली संगठन था। इसके बाद जो हुआ, वह आरएसएस के इतिहास के सबसे उल्लेखनीय अध्यायों में से एक निष्क्रिय प्रतिरोध आंदोलन' था, जिसने प्रतिबंध की पुरज़ोर अवहेलना की और अपने संगठनात्मक ढाँचे को काफी हद तक अक्षुण्ण रखा और आपातकाल का विरोध करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतिरोध के शीर्ष पर संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बालासाहेब देवरस) थे। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी से पूर्व कार्यकताओं और स्वयंसेवकों को संबोधित किया और कहा कि,इस असाधारण स्थिति में, स्वयं सेवक अपना संतुलन खोने के लिए बाध्य नहीं हैं। 26 जून, 1975 की सुबह जैसे ही आपातकाल की घोषणा की खबर पूरे भारत में फैली,देश में अविश्वास और भय की भावना फैल गई।आपातकाल का लागू होना राजनीतिक उथल-पुथल,आर्थिक चुनौतियों और इंदिरा गांधी की बढ़ती सत्तावादी प्रवृत्तियों के दौर की परिणति के रूप में आया। संघ, जो लंबे समय से गांधी की चुनिंदा नीतियों की आलोचना करता रहा, आपातकाल की घोषणा के कुछ ही घंटों के भीतर उनके प्रमुख नेताओं को घेर लिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि यह संघ की दूरदर्शिता ही थी कि शीर्ष नेतृत्व ने इस तरह के कदम का पूर्वानुमान लगा लिया था।आपातकाल से कुछ समय पूर्व जैसे-जैसे राजनीतिक तनाव बढ़ा, बालासाहब देवरस और संघ के अन्य वरिष्ठ नेतृत्व ने आकस्मिक योजनाएं बनानी शुरू कर दी थीं। उन्हें दृढ़ विश्वास था कि संगठन की यह तैयारी उस तूफान का अपनी क्षमतापूर्वक सामना करने में महत्त्वपूर्ण साबित होगी जो इसे घेरने वाला था और जनकल्याण हेतु कार्य में विघ्न उत्पन करने वाला था। संघ के वरिष्ठ प्रचारक और लोक संघर्ष समिति के संयोजक,नानाजी देशमुख (जिन्होंने 1977 में जनता पार्टी के बैनर तले विपक्ष को एक साथ लाने में अहम भूमिका निभाई) और के. एस. सुदर्शन ने भी पत्रों के माध्यम से विभिन संगठनों के साथ भी संवाद किया। संघ पर सरकार की कार्रवाई त्वरित और कठोर थी। शीर्ष नेतृत्व से लेकर स्थानीय स्तर के हजारों कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों तक को गिरफ्तार किया गया और जेल में डाल दिया गया।संगठन के कार्यालयों पर छापे मारे गए और दस्तावेज के साथ संपत्ति भी जब्त कर ली गई। 4 जुलाई, 1975 को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले कई अन्य संगठनों के साथ संघ को आधिकारिक रूप से मीसा कानून' के अंतर्गत प्रतिबंधित कर दिया गया था। इस भारी-भरकम दृष्टिकोण के बावजूद संघ नई वास्तविकता के लिए पुनः अनुकूल होने में कामयाब रहा। संघ ने अपने स्थानीय शाखाओं की अनूठी संरचना से राष्ट्र में व्याप्त भय के वातावरण में भी विकेंद्रीकृत नेतृत्व के साथ जनमानस तक केंद्र सरकार की निरंकुश नीतियों का दमन और समाज में अन्य वर्ग के लोगों की सहायता से कई प्रचार-प्रसार के कार्य सफलतापूर्वक किया, जिसमें स्वयंसेवकों के अलावा सामान्य जनता का भी सरकार के प्रति रोष संघ के लिए अतुलनीय योगदान के रूप में सिद्ध हुआ।

-डॉ. प्रशांत बड़थ्वाल-

कफ़न एक सा

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा
उत्तरप्रदेश

हो कोई निर्धन या अमीर
हो कोई नेता या मंत्री
हो कोई नामी या आम
हो कोई पंडित या भक्त
हो कोई विद्वान या अनपढ़
हो कोई नौकर या मालिक
कफ़न का रंग सबका एक ही है सफेद
और घास फूस से
बना पाया भी एक समान
मृत्यु करती नहीं भेद किसी में
होता सबका दाह संस्कार एक समान।
कुछ भी साथ जाता
नहीं न धन न दौलत,
न महल, न बंगले न नाम न शोहरत
जैसे आया दुनिया में बिन कपड़ों के
जाता भी वैसे ही फिर भी पूरा जीवन
चलता रहता संग्राम तेरा, मेरा, ऊँच,
नीच, बड़ा, छोटा, अमीर, गरीब, नाम ,
शान, शोहरत, दबदबा ....पर सब मिल
जाता खाख में हो स्वाहा जब होता
दाह संस्कार कुछ भी नहीं रहता
पास न जाता साथ
ये जीवन ही है जहां हैं भेदभाव
पर मृत्यु की प्रक्रिया सब की
एक समान कफन से लेकर दाह
संस्कार तक।।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

धरती की पुकार

लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद
(छत्तीसगढ़)

धरती कर रही आज पुकार
छोड़ो तुम अपना अत्याचार
मत जलाओ मेड़ खेत खार
कहना मानो तुम इस बार।।
धरती कर रही आज पुकार
मत काटो तुम जंगल बेकार
करो सबसे उत्तम व्यवहार
बनो गलें की तुम प्यारा हार।।
धरती कर रही आज पुकार
करो राग द्वेष घृणा पर वार
रखो हर मानव से सरोकार
यही हमारा जीवन का सार।।
धरती कर रही आज पुकार
ना फेंको तुम कचड़ा बजार
करो तुम अपने पर उपकार
पेड़ लगाओ तुम सब हजार ।।
धरती कर रही आज पुकार
तज दो सब रसायन हजार
करो जैविक खेती इस बार
भगा दो रोग कोस हजार।।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

रिमझिम बरसे पानी

सोनु नेताम माया
रुद्री, नवागांव
धमतरी
छत्तीसगढ़

रिमझिम बरसे पानी
आगे आषाढ़,गिरत हे पानी
झमाझम बरसा ,चुहत हे छानी
कर लिस तियारी,जोरा-जोरी किसानी
मोरा कमरा ओढ़े,
खेत जाय नारी-परानी
खुमरी पहिरे नंगारिहा,
गावय गीत मस्तानी
मन मंजुर नाचे, रिमझिम बरसे पानी
गरजे बादर गड़ गड़,
मउंसम गजब सुहानी
पुरवाई चलय सरर सरर,
मंद मस्त मतवानी
हिलोर मारे लहरा,झुमे सोनु नेताम
माया परेम दिवानी!!

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अब छुट्टियां खत्म हुई

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायन
छत्तीसगढ़

खुब हुआ अब घूमना फिरना
चलो स्कूल की तैयारी करलो
कॉपी पुस्तक कलम समेट कर
बैग-यूनिफार्म की खोज करलो।
सैर-सपाटा और धमा-चौकड़ी
नानी घर में खूब उधम मचाई
मित्रों के संग तुम तो खेले-कुदे
अब छुट्टियाँ सारी खत्म हो आई।
गर्मी की छुट्टियाँ खुब मनायी
होमवर्क की अब करो तैयारी
पढ़ लिख के तुम बनोगे ज्ञानी
अब समझो अपनी जिम्मेदारी।
खूब पढोगे, तभी आगे बढ़ोगे
और बनोगे शिक्षित ज्ञानवान
देश के तुम भावी नागरिक हो
देश को बनाओगे तुम ही महान।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

तेज रफ्तार कार की ठोकर से पांच लोग हुए घायल,एक जिला अस्पताल रेफर

- संवाददाता -
लखनपुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित सिंगीटाना में सड़क किनारे लगे सब्ज़ी दूकान से सब्जी ले रहे लोगों को करने तेज़ रफ्तार कार ने ठोकर मार दी जिससे पांच लोग घायल हो गए। घटना की सूचना लखनपुर पुलिस को दी गई लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और कार वाहन को जप्त कर मामले की जांच में जुटी है।

मिली जानकारी के मुताबिक प्रेमदास पिता सुखलाल दास उम्र 31 वर्ष,मनमोहन पिता स्वर्गीय धर्मजीत,प्रतिमा पिता राजेंद्र, शीशेन पिता कवि राम,मीना पिता गोविंद सभी ग्राम सिंगी टाना निवासी 28 जून दिन शुक्रवार की दोपहर नेशनल हाईवे 130 स्थित सिंगीटाना सड़क किनारे लगे सब्ज़ी और अन्य दुकानों में सामान ले रहे थे इसी दौरान बिलासपुर से अंबिकापुर जा रहे कार क्रमांक सीजी 07 सीएल 9361 के चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सब्जी खरीद रहे।

लोगों को ठोकर मार दी जिससे सभी लोग घायल हो गए घायल यूवक शीशेन को गंभीर चोट लगने पर उपचार हेतु जिला अस्पताल ले जाकर भर्ती किया गया है बाकी दो युवक दो युवकों को उपचार हेतु लखनपुर आस्पताल लाया गया जहां उनका उपचार जारी है। सूचना मिलते ही लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और कार को जप्त कर मामले की जांच में जुटी है।

जमीन विवाद को लेकर जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

जमीन विवाद को लेकर फावड़ा, डंडा व टांगी से जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपियों को दरिमा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294,506,323,452,147,148,149,307 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार राजेश कुमार दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पर्री का रहने वाला है। 14 जून को शौचालय का निर्माण करा रहा था। तभी जमीन विवाद को लेकर गांव के ही मनोहर राम, भीमराज, रोहन राजवाड़े व अन्य लोग एक राय होकर राजेश व उसके परिवार के सदस्यों पर डंडे, फावड़ा व टांगी से हमला कर दिया। हमले में राजेश के पिता चंदर राम सहित अन्य लोगों को गंभीर चोट आई थी। सभी को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं मामले की रिपोर्ट राजेश ने दरिमा थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने मामले की विवेचना कर आरोपी मनोहर राम (42), भीमराज (40), रोहन राजवाड़े (18) सभी निवासी पर्री खालपारा थाना दरिमा का रहने वाले हैं। तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर पुलिस ने जेल भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मनोज प्रजापति, सहायक उप निरीक्षक बैजनाथ राम ,महेन्द्र सिंह, प्रधान राजेंद्र तिर्की, आरक्षक जगेश्वर बघेल, संजय केरकेट्टा,राज जायसवाल शामिल रहे।

13 दिन पूर्व मिली थी युवती की फांसी पर झूलती लाश,जांच अधिकारी हटाये गए

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

13 दिन पूर्व उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भदवाही में एक युवती की लाश फांसी पर लटकी हुई संदिग्ध परिस्थिति में मिली थी। मामले में पुलिस जांच पर असंतोष व्यक्त करते हुए रौतिया समाज ने शुक्रवार को एसपी कार्यालय अंबिकापुर पहुंच पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा है। आक्रोश को देखते हुए कलेक्टोरेट परिसर में काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए थे। वहीं एडिशनल एसपी ने कार्रवाई करते हुए मामले की जांच करने वाले अधिकारी को हटा दिया है। साथ ही नया जांच अधिकारी नियुक्त करते हुए विस्तृत जांच का आदेश दिया है।

जानकारी अनुसार उदयपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम भदवाही की रहने वाली सीता 16 जून की घर में परिजनों को बिना बताए रात 11 बजे कही चली गई थी। जब सुबह घर वाले सीता को ढूंढने लगे तो घर मे कहीं नही मिली। लेकिन घर से कुछ दूरी पर ही युवती का पेड़ में फाँसी से झूलता हुआ शव देखा गया। जिसके बाद इसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को फाँसी के फंदे से उतारकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। लेकिन पुलिस के द्वारा 13 दिन बीत जाने के बाद भी कार्रवाई नही करने से नाराज रौतिया समाज के लोगों ने आज शुक्रवार को अंबिकापुर जिला मुख्यालय पहुंच पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। प्रताप सिंह प्रधान कार्यकारी अध्यक्ष अखिल भारतीय रौतिया समाज ने बताया कि मामले में पुलिस जांच अधिकारी से पूछे जाने पर सही जवाब नही दिया जाता है उल्टे हमलोगों से गलत तरीके से बातचीत किया जाता है। साथ ही थाने से समाज के लोगों को भगा दिया जाता है। प्रताप सिंह प्रधान ने कहा कि ऐसे अधिकारी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किये जायेंगे। घटना के संबंध में समाज ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर उन्हें सारी बातें बताई, जिसपर पुलिस अधीक्षक ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है। इधर मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी को अमोलक सिंह ढिल्लो एडिशनल एसपी सरगुजा ने हटा दिया है साथ ही पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आज प्राप्त होने पर नए जांच अधिकारी से विस्तृत जांच करने को कहा गया है।

बलात्कार के बाद महिला की सिर कुचलकर हत्या,प्राइवेट पार्ट में डाल दिया डंडा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 28 जून 2024 (घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र में 26 जून की देर रात एक विवाहिता से गांव के ही युवक ने बलात्कार किया और पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। यही नहीं,हैवान ने महिला के प्राइवेट पार्ट में डंडा भी डाल दिया। महिला का शव उसके घर से करीब 50 मीटर दूर खेत में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस गुरुवार की सुबह पुलिस व फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम पहुंची और जांच की। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने 3 वर्ष पूर्व अपने पिता की भी हत्या कर दी थी।

सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उड़ुमकेला निवासी 25 वर्षीय एक विवाहिता 26 जून की रात अपने पड़ोसी के घर गई थी। वहां उसने शराब पी और सो गई। उसका पति बाहर काम करने गया था। इधर गांव के ही रघु माझी पिता स्व. नेगी 30 वर्ष महिला पर बुरी नजर रखता था। उसे जब पता चला कि महिला पड़ोसी के घर में है तो वह वहां पहुंच गया। इसके बाद वह महिला को घर से उठाकर करीब 50 मीटर दूर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। फिर उसने पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। आरोपी ने हैवानियत की हद पार करते हुए महिला के प्राइवेट पार्ट में डंडा भी डाल दिया। 27 जून की सुबह खेत में पड़ी महिला की लाश देख गांव वालों ने सीतापुर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही सीतापुर पुलिस व फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम मौके पर पहुंची और जांच की। महिला का सिर कुचला हुआ था तथा उसके कपड़े अस्त-व्यस्त थे।

इसके बाद पुलिस ने शव को बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पीएम पश्चात शव उसके परिजन को सौंप दिया। इस मामले में पुलिस ने गांव वालों से पूछताछ की। इस दौरान पता चला कि रघु माझी महिला पर बुरी नजर रखता था। संदेह के आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो उसने महिला से बलात्कार के बाद हत्या की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद पुलिस ने उसे शुक्रवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पिता की 3 साल पहले की थी हत्या

आरोपी रघु माझी ने 3 वर्ष पूर्व अपने पिता की भी हत्या कर दी थी। इस मामले में वह ढाई साल तक जेल में बंद था। 3-4 माह पूर्व ही वह जमानत पर बाहर आया था। इसके बाद उसने एक और वारदात को अंजाम दे दिया।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव हुआ संपन्न अतिथि और बच्चों को कराया गया न्योता भोजन

- संवाददाता -
लखनपुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर स्वामी आत्मानंद विद्यालय में 28 जून शुक्रवार की सुबह 11 बजे शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू,नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू,नगर पंचायत उपाध्यक्ष के रामनारायण दुबे, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विश्वनाथ गुप्ता, भाजपा ओबीसी जिला अध्यक्ष राजेंद्र जयसवाल, भाजपा नेता सचिन अग्रवाल, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष महेश्वर राजवाड़े, खंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप राय सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज तिवारी मौजूद रहे। स्वामी आत्मानंद विद्यालय के प्राचार्य शिक्षक शिक्षिकाओं और स्कूली बच्चों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। अतिथियों ने माता सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करते हुए सरस्वती वंदना गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। स्कूल के प्राचार्या व शिक्षकों के द्वारा अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर कर उनका स्वागत किया। स्वामी आत्मानंद विद्यालय के 10 वीं और 12 वीं के बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों ने शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया साथ ही स्वामी आत्मानंद विद्यालय के कक्षा पहली में 50 बच्चों और सीबीएसई स्कूल के 34 बच्चों को माथे में तिलक लगा मुंह मीठा कर साला प्रवेश कराया गया और बच्चों को निशुल्क ड्रेस और पुस्तक का वितरण अतिथियों के हाथों किया गया। अतिथि रवि अग्रवाल,दिनेश साहू,राजेंद्र जयसवाल,विश्वनाथ गुप्ता ने संबोधित करते हुए बच्चो के उज्जवल भविष्य की कामना की।इस दौरान मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू ने संबोधन के दौरान कहां की विधायक राजेश अग्रवाल,नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू,उपाध्यक्ष रामनारायण दुबे की सहमति से स्वामी आत्मानंद विद्यालय परिसर में 14 लाख रुपए के प्योर ब्लॉक कार्य को लेकर घोषणा की। बाद इसके प्राचार्या संजय वर्मा के द्वारा अतिथियों को भोजन के लिए नेता दिया गया स्वामी आत्मानंद विद्यालय के बच्चों के साथ अतिथियों ने न्योता भोजन ग्रहण किया। इस दौरान स्वामी आत्मानंद विद्यालय के प्राचार्य संजय वर्मा प्रधान पाठक सरवन साहू, प्रधान पाठक स्वर्ण कुमार टोप्पो विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं और बच्चो के अभिभावक मौजूद रहे।

सर्पदंश से बालक की मौत,मां के साथ सोया था जमीन पर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के जामवंतपुर में सर्पदंश से एक बालक की मौत हो गई। वह गुरुवार की रात को मां व अन्य बच्चों के साथ जमीन में सोया था। तभी उसे सांप ने डंस लिया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जानकारी के अनुसार नकुल विश्वकर्मा पिता दीपक विश्वकर्मा (10) रामानुजगंज थाना क्षेत्र के ग्राम जामवंतपुर का रहने वाला था। गुरुवार की रात को मां व अन्य बच्चें के साथ जमीन में सोया था। रात करीब 1 बजे नकुल पेट में दर्द होने की बात मां को बताया। मां ने लाई जलाकर देखा तो पास में डंडा करैत सांप था। मां ने उसे मार दिया और बेटे को सांप काटने की जानकारी परिजन को दी। परिजन बालक को इलाज के लिए जामवंतपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बलरामपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यहां से भी उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एमआईसी निर्णय की अनदेखी से नाराज निगम के लोक निर्माण विभाग प्रभारी और पार्षद अधिकारियों पर बरसे

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 28 जून 2024 (घटती-घटना)।

बरसात के पहले सडक़ो और नालियों के सुधार के लिए एमआईसी के निर्णय की अनदेखी से नाराज निगम के लोक निर्माण प्रभारी शफी अहमद और पार्षदों ने निगम आयुक्त और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथ लिया। महापौर परिषद की बैठक में विगत 12 जून को जलजमाव की स्थिति से निपटने नालियों की सफाई, पैच रिपेयर, कच्ची सडक़ो में क्रशर डस्ट डालने कहा गया था। एमआईसी के संकल्प के बाद भी कार्य में गति नहीं आई। नाराज कांग्रेस पक्ष के पार्षदों ने लोक निर्माण प्रभारी शफी अहमद के साथ निर्माण अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। दौरे पर निकले निगम आयुक्त प्रकाश सिंह से फोन पर चर्चा कर तीन दिन के भीतर काम शुरू करने का अल्टीमेटम दिया है। लोनिवि प्रभारी शफी अहमद ने बताया 12 जून को एमआईसी की बैठक में पैच रिपेयर, नालियों की सफाई, जल निकासी की व्यवस्था करने और नई बसाहटों की कच्ची सडक़ो में जीएसबी और स्टोन डस्ट डालने का निर्देश जारी किया गया था। इसके लिए फंड की व्यवस्था के सम्बंध में भी निर्देशित किया गया था। इसके बाद भी आज तक काम शुरू नही किया जाना दुर्भाग्यजनक है। उन्होंने निगम के अधिकारियों तत्काल काम शुरू कराने कहा। आज की बैठक में शैलेन्द्र सोनी,गीता प्रजापति, दीपक मिश्रा,चन्द्र प्रताप सिंह,शंकर प्रजापति, नाटा सोनी, प्रभारी कार्यपालन अभियंता सन्तोष रवि, प्रशांत खुल्लर, दुष्यंत बजाज, सतीश रवि, प्रियंका पटेल, प्रदीप पैकरा, नीलम किंडो, रत्नेश सहित लोनिवि के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

अंतराष्ट्रीय व्यापार से केवल व्यापार को ही नहीं बल्कि देशों के द्विपक्षीय संबंधों को भी मिलती है मजबूती

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी पीजी के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन मुख्य अतिथि डॉ. रामकुमार मिश्रा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला,संगोष्ठी के संयोजक डॉ. एके गौर व महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस संगोष्ठी में कुल चार तकनिकी सत्र संचालित हुए जिसमें लगभग 20 लोगों ने अपने शोध-पत्र पढ़े। संगोष्ठी के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में रिसोर्स पर्सन डॉ. विजय प्रकाश ने अपने वक्तव्य में कहा कि व्यापार और वाणिज्य विशेष क्षेत्र नहीं है बल्कि यह कहना सही होगा कि यह आज का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है। ग्लोबलाइजेशन केवल बड़ी कम्पनियां या फर्म ही नही करतीं बल्कि छोटे से छोटे व्यवसाय एवं व्यापार भी इस पर व्यापक प्रभाव डालता है। अतिथि व्याख्यता प्रियांशु जायसवाल ने अंतराष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक विकास के संबंधों पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि अंतराष्ट्रीय व्यापार से केवल व्यापार को ही नहीं बल्कि देशों के द्विपक्षीय संबंधों को भी मजबूती मिलती है।

द्वीतीय सत्र को संबोधित करते हुए साई बाबा कॉलेज के प्राचार्य राजेश अग्रवाल ने कहा कि इंटरनेशनल ट्रेड में केवल सेवाओं एवं वस्तुओं का आदान प्रदान नहीं होता बल्कि तकनिकी का भी आदान-प्रदान होता है। आज युवाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि युवा ही देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत का सकते हैं। डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यान में वाणिज्य और अंतराष्ट्रीय व्यापार को वैश्वीकरण की जड़ बताया। प्रो. मनहरण अनंत ने गवर्नमेंट पॉलिसी के फिजिकल ओर मॉनेटरी पॉलिसी पर प्रकाश डाला। सेमिनार के इन दोनों सत्रों में रश्मि मित्तल, साक्षी अग्रवाल, सृष्टि शेफाली मिंज सहित कई शोधार्थियों ने फॉरेन इन्वेस्टमेंट, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, एफडीआई, एफआईआई विषयों पर तथा वाणिज्य के विभिन्न आयामों पर अपने शोध प्रस्तुत किए।

देश को समावेशी वाणिज्य नीति की जरूरत

समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. रामकुमार मिश्रा ने बढ़ती आर्थिक विषमता पर चिंता जताई उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण और उदारीकरण की प्रक्रिया ने आर्थिक विषमता को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया है। आज देश को समावेशी वाणिज्य नीति की जरूरत है। छोटे और मझोले उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाना बहुत जरूरी क्योंकि बड़े-बड़े उद्योग रोजगार पैदा करने में बुरी तरह असफल रहे हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला ने कहा कि महाविद्यालय इस तरह की शोध संगोष्ठी को लगातार आयोजित कराने हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने महाविद्यालय के प्राध्यापकों से अपील की कि वे स्व प्रेरणा से आगे आकर इस तरह के आयोजनों की जिम्मेदारी लें जिससे महाविद्यालय अकादमिक ऊचाई हासिल कर सके।

ब्रिटेन में चुनाव से पहले प्रधानमंत्री पर नस्लभेदी टिप्पणी, ऋषि सुनक बोले...दुखी हूं और गुस्सा भी आ रहा है...

लंदन,28 जून 2024। ब्रिटेन में आम चुनाव से ठीक पहले एक दक्षिणपंथी पार्टी रिफॉर्म यूके के प्रचारक ने प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के खिलाफ नस्लभेदी टिप्पणी की। उधर रिफॉर्म यूके के नेता और आम चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार निगेल फराज को इस हरकत की कड़ी निंदा की है।

रिफॉर्म यूके पार्टी के प्रचारक एंड्रयू पार्कर ने की नस्लभेदी टिप्पणी

रिफॉर्म यूके पार्टी के प्रचारक का नाम एंड्रयू पार्कर बताया गया है। पार्कर ने एक साक्षात्कार के दौरान ऋषि सुनक पर दक्षिण एशियाई होने का आरोप लगाते हुए नस्लभेदी टिप्पणी की। एंड्रयू पार्कर ने इस दौरान यह भी कहा कि ब्रिटेन में रह रहे अवैध प्रवासियों को गोली मार दी जानी चाहिए।

रिफॉर्म पार्टी के नेता ने क्या कहा?

इसे लेकर रिफॉर्म यूके पार्टी के नेता निगेल फराज ने कहा 'किसी प्रचारक के द्वारा बेहद खराब शब्दों का इस्तेमाल किया गया और इन शब्दों का मेरे व्यक्तिगत विचारों से कोई लेना देना नहीं है।' एक चुनाव प्रचार के दौरान फराज ने कहा कि एक-दो लोगों ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अधिकतर मामलों में वे सामान्य व्यक्तियों की तरह ही बात कर रहे हैं।

मुझे दुख पहुंचा और गुस्सा भी आ रहा है- सुनक

उधर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रिफॉर्म यूके पार्टी के प्रचारक द्वारा की गई नस्लभेदी टिप्पणी पर कहा है 'मुझे दुख पहुंचा है लेकिन गुस्सा भी आ रहा है।' सुनक ने कहा कि उनकी दो बेटियों कृष्णा और अनुष्का रिफॉर्म यूके के प्रचारक की बातों को सुना और देखा। उन्होंने आगे कहा इससे उन्हें दुख पहुंचा और बेहद गुस्सा आया है। उन्होंने यह भी कहा कि निगेल फराज से इस बारे में सवाल पूछे जाने चाहिए। सुनक ने कहा 'मैं उन शब्दों को दोहरा नहीं सकता। जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल यूके रिफॉर्म पार्टी के नेताओं और प्रचारकों द्वारा किया जा रहा है, उससे साफ पता चलता है कि पार्टी की संस्कृति क्या है।'

आपको बता दें कि दक्षिणपंथी पार्टी ने 4 जुलाई को होने वाले आम चुनाव के लिए अपने कई उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। पार्टी द्वारा ब्रिटेन में अप्रवासन का विरोध किया गया है और कंजर्वेटिव पार्टी को चुनौती दी गई है।

चांद से 1935.3 ग्राम धूल और चट्टान के नमूने लेकर आया चांग ई-6 अंतरिक्ष यान,अब वैज्ञानिक शोध की तैयारी

बीजिंग,28 जून 2024। चीन ने अंतरिक्ष यान चांग ई-6 ने चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र में कदम रखा और वहां से करीब दो किलोग्राम मिट्टी और चट्टान के नमूने पृथ्वी पर लाकर इतिहास रच दिया। इस कदम को अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में नई क्रांति माना जा रहा है। अब चीन ने अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा है कि चांद से लाए गए नमूनों का परीक्षण होने जा रहा है।

चांद की धूल और चट्टानों पर शोध करेंगे वैज्ञानिक

चीन विश्व का एकमात्र देश है, जिसके द्वारा चांद के सुदूर क्षेत्र में कदम अपना अंतरिक्ष यान उतारा गया और वहां मौजूद धूल और चट्टानों के नमूने एकत्र किए। चांग ई-6 के पुनः प्रवेश वाले भाग को

सिजिवांग से बीजिंग लाया गया। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) का कहना है कि चांग ई-6 अभियान के तहत चांद से 1935.3 ग्राम नमूने एकत्रित किए गए हैं। सीएनएसए के सहायक निदेशक जी पिंग के अनुसार 'चांग ई-6 अभियान द्वारा लाए गए नमूनो की विशेषता यह है कि ये दिखने में गाढ़े हैं। शोधकर्ताओं द्वारा चांद से एकत्रित किए गए नमूनों पर पूर्व में तय की गई योजना के तहत शोध किया जाएगा। चांद के बारे में जानने के लिए यह एक तरह का शोध साबित होगा।'

चांद का निर्माण कैसे हुआ? जल्द हो सकता है खुलासा

नमूनों के परीक्षण से इस बात का खुलासा हो सकता है कि चंद्रमा का निर्माण कैसे हुआ। चीन द्वारा इन नमूनों पर करीब छह महीने तक शोध किया जाएगा और इसके बाकी संस्थानों के अन्वेषण के लिए इन्हें उपलब्ध कराया जाएगा। जी पिंग का कहना है कि इस दौरान चीन दुनिया भर के वैज्ञानिकों को शोध के लिए भी आमंत्रित करेगा।

रईसी की मौत के बाद खाली पड़े राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव; 58 हजार मतदान केंद्रों पर पड़ रहे वोट

तेहरान,28 जून 2024। ईरान में राष्ट्रपति चुनाव के लिए आज मतदान शुरू हो गया है। यहां अभी इसलिए चुनाव कराए जा रहे हैं क्योंकि पिछले महीने की 19 तारीख को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में देश के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत हो गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, यह ध्यान रखना उचित है कि तेहरान में शुक्रवार के चुनाव में 18 या उससे अधिक उम्र का कोई भी ईरानी मतदान कर सकता है। देश भर में मस्जिदों और स्कूलों सहित सार्वजनिक स्थानों पर 58,640 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

मतदाताओं को मतदान केंद्र पर वोट डालने में सक्षम होने के लिए पहले एक आवेदन पूरा करना होगा और अपना राष्ट्रीय आईडी कार्ड

प्रस्तुत करना होगा।

ऐसे चुना जाएगा नेता

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मतदाता उम्मीदवार के नाम और कोड को लिखने के लिए गुप्त मतपत्र का इस्तेमाल करते हैं, जिसे वे फिर मतपेटी में जमा करते हैं। शुक्रवार को नतीजे आने के बाद अगर किसी उम्मीदवार को 50 फीसदी से अधिक मतदान नहीं मिलता है तो दो शीर्ष उम्मीदवारों के बीच रन-ऑफ राउंड होता है।

ग्लोबल साउथ पर चीन की नजर,पांच वर्षों के भीतर शुरू होंगे नए कार्यक्रम,शी जिनपिंग का इन बातों पर जोर

बीजिंग,28 जून 2024। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मौजूदा दौर के विवादों को खत्म करने के लिए पंचशील (शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत) की महत्ता पर जोर दिया। दरअसल चीन इस समय अपने पड़ोसियों और दुनियाभर में अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ विवादों से जूझ रहा है। इसके अलावा चीन, पश्चिम के साथ तनातनी के बीच ग्लोबल साउथ देशों में अपने प्रभाव का विस्तार करने की कोशिश कर रहा है।

ग्लोबल साउथ में प्रभाव मजबूत करने की कोशिश

बीते कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कुछ देशों (ग्लोबल साउथ) में अपना प्रभाव मजबूत करने के लिए चीन, भारत और अन्य देशों के साथ

प्रतिस्पर्धा कर रहा है। शी जिनपिंग का कहना है कि चीन वैश्विक दक्षिण अनुसंधान केंद्र की स्थापना करेगा। इसके साथ ही एक हजार लोगों को 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत छात्रवृत्ति' प्रदान की जाएगी। जिनपिंग ने आगे कहा कि ग्लोबल साउथ देशों में अगले पांच वर्षों में 1 लाख प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इसके साथ ही ग्लोबल साउथ लीडरशिप प्रोग्राम भी चलाया जाएगा।

बीआरआई परियोजना पर चीन का ध्यान

शी जिनपिंग ने पिछले वर्ष लगातार तीसरी बार चीन की सत्ता संभाली थी। इसके बाद उन्होंने अपनी बहुप्रतीक्षित बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) परियोजना की शुरुआत की। जिनपिंग का मानना है कि बीआरआई से वैश्विक मंच पर चीन का प्रभाव दिखेगा। बीआरआई के अंतर्गत चीन ने छोटे देशों में कई परियोजनाओं की शुरुआत की और बड़ी मात्रा में निवेश किया। हालांकि इसके बाद आरोप लगाए गए हैं कि चीन 'उधार की कूटनीति' पर काम कर रहा है क्योंकि कई देश बीजिंग से लिए हुए कर्ज को चुका नहीं पा रहे हैं। इसके अलावा चीन अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का भी सामना कर रहा है।

शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों (पंचशील) की 70 वर्षगांठ पर आयोजित एक सम्मेलन में जिनपिंग कहा कि इन सिद्धांतों के साथ ही चीन वैश्विक सुरक्षा पर नई सोच के साथ काम करेगा।

सांप के काटने से राज मिस्त्री की गई जान,राजपुर थाने में प्रथमिक सुचना दर्ज

\- संवाददाता -
राजपुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

आज सूचना कर्ता श्रीराम लोहार निवासी परसगुड़ि द्वारा मर्ग इंटिमेसन दर्ज कराया की मृतक भारत पिता सोहर पहाड़ी कोरवा 30 वर्ष

निवासी करजी (सूचक और मृतक) दोनो शिवनाथ पहाड़ी कोरवा ग्राम डिगनगर के घर राज मिस्त्री का काम कर रहे थे उसी समय दिन के क़रीब 1.00 बजे एक कमरे से दूसरे कमरे में जाते वक्त दरवाज़ा खोलने पर कमरे के अंदर गेहूँआ फनिक सांप मृतक के दाएँ पैर अंगूठा को काट दिया जिसे चिकित्सा व्यवस्था हेतु राजपुर लाते समय रास्ते में भारत पहाड़ी कोरवा का मौत हो गया है। थाना में मर्ग क़ायम कर जाँच विवेचना में लिया गया है।

पूर्व मंत्री डा. प्रेम साय ने की खराब परीक्षा परिणामों में सुधार की मांग

\- संवाददाता -
प्रतापपुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर पिछले दिनों जारी हुए कालिदास महाविद्यालय प्रतापपुर में अध्यनरत बीए व बीएससी के द्वितीय वर्ष के छात्रों के खराब परीक्षा परिणामों पर छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री डा. प्रेम साय सिंह टेकाम ने चिंता जाहिर की है।

इस विषय को लेकर पूर्व मंत्री डा. टेकाम ने छात्रों के हित में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर के डिप्टी रजिस्ट्रार प्रवीण अग्रवाल से फोन पर चर्चा करते हुए आग्रह किया है कि जारी किए गए खराब व बेहद निराशाजनक परीक्षा परिणामों की फिर से समीक्षा करने की दिशा में ठोस पहल की जाए। छात्रों के प्रश्नपत्रों की एक बार फिर बारीकी से जांच कर खराब परीक्षा परिणामों में सुधार कर उन्हें

फिर से जारी किया जाए।

पूर्व मंत्री डा. टेकाम के आग्रह पर डिप्टी रजिस्ट्रार अग्रवाल ने खराब परीक्षा परिणामों की फिर से समीक्षा करने की बात कही है। इस संबंध में पूर्व मंत्री डा. प्रेम साय सिंह टेकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय के बीए व बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्रों के जो परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं उनमें संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय की घोर लापरवाही उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि कई छात्रों को हिंदी विषय व रसायन शास्त्र में शून्य अंक दिए गए हैं वहीं कई छात्र जो विश्वविद्यालय में बकायदा उपस्थित होकर परीक्षा दिए हैं उनको अनुपस्थित बताकर अनुत्तीर्ण कर दिया गया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले क्षेत्र के अधिकांश छात्रों के अभिभावक आर्थिक रूप से कमजोर हैं। वे सुख दुख सह कर अपने बच्चों के एक अच्छा मुकाम हासिल करने के सपने को साकार करने के लिए कठिन परिश्रम करते हुए उनकी पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। पर विश्वविद्यालय प्रबंधन परीक्षा परिणाम जारी करने में अपनी मनमानी करते हुए छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का निंदनीय कार्य कर अभिभावकों के हृदय पर कुठाराघात करने पर तुला हुआ है।

जल जीवन मिशन के कार्यों में प्रगति न मिलने पर नपे ईई

\- संवाददाता -
रायपुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने जल जीवन मिशन के कार्यों में संतोषजनक प्रगति नहीं पाए जाने पर बलरामपुर खंड के प्रभारी कार्यपालन अभियंता को हटा दिया है

मामला बलरामपुर जिले का है। विभागीय समीक्षा बैठक में बलरामपुर जिले में जल जीवन मिशन के कार्यों में समय-सीमा में काम पूरा नहीं होने पर प्रभारी कार्यपालन अभियंता आदित्य प्रताप को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है।

प्रमुख अभियंता द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि विगत 20 जून को हुई राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में यह परिलक्षित हुआ है कि बलरामपुर जिले में जल जीवन मिशन का कार्य संतोषजनक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि बलरामपुर खंड के प्रभारी कार्यपालन अभियंता द्वारा अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों के निर्वहन में उदासीनता बरतने के कारण विभागीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जल जीवन मिशन के लक्षित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए वांछित गति नहीं दिए जाने से बलरामपुर जिले में मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप वांछित प्रगति प्राप्त करने में कठिनाई आ रही है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के बलरामपुर खंड के प्रभारी कार्यपालन अभियंता आदित्य प्रताप को आगामी आदेश तक बिलासपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता कार्यालय में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। उनके स्थान पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंडल अंबिकापुर के अधीक्षण अभियंता कार्यालय में सहायक अभियंता सुशील कुमार सिन्हा को बलरामपुर खंड के कार्यपालन अभियंता का प्रभार सौंपा गया है।

सेजेस केशवपुर में तिलक लगा माला पहना और लड्डू खिलाकर बच्चों का किया प्रवेश स्वागत

\- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

स्कूलों में ग्रीष्मकालीन छुट्टियां समाप्त होने के बाद 26 जून बुधवार को सरगुजा जिले के सेजेस केशवपुर में कक्षा एक के नवप्रवेशित एवं अन्य सभी विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर तथा लड्डू खिलाकर शाला में प्रवेश कराया गया। इस दौरान संस्था के प्राचार्य संतोष कुमार साहू ने मां सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना कर सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों के उत्तम स्वास्थ्य और कुशल अध्ययन अध्यापन की कामना करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी। इस दौरान कई पलक भी उपस्थित थे। नए सत्र में नई ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने के लिए सभी छात्रों को प्रोत्साहित किया गया। सभी बच्चे स्कूल के शुरू होने को लेकर तथा अपने मित्रों से मिलकर काफी उत्साहित नजर आए। संस्था के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधन करते हुए पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों को भी जारी रखने तथा अध्ययन के साथ-साथ एक अच्छे इंसान बनने की भी प्रेरणा दी। विद्यालय खुलने के प्रथम दिवस ही 90 प्रतिशत विद्यार्थी उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय में प्रथम दिवस से ही विद्यार्थियों का अध्ययन प्रारंभ हो चुका है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के सम्बन्ध में उन्मुखीकरण कार्यशाला सह बैठक का किया गया आयोजन

राज्य स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की राज्य सलाहकार श्रीमती अभिलाषा आनंद ने मिशन के महत्वपूर्ण घटकों एवं कार्यों की दी विस्तृत जानकारी

\- संवाददाता -
अंबिकापुर, 28 जून 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं जिला पंचायत सीईओ श्री नूतन कुमार कंवर के निर्देशन में जनपद पंचायत उदयपुर के सभाकक्ष में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के सम्बन्ध में राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की राज्य सलाहकार श्रीमती अभिलाषा आनंद की उपस्थिति में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला सह बैठक का आयोजन किया गया। कार्यशाला में श्रीमती अभिलाषा द्वारा सभी प्रतिभागियों को मिशन के महत्वपूर्ण घटकों एवं कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने सभी को मिशन के आगामी रणनीति तथा मॉडल ग्राम या संपूर्ण स्वच्छ ग्राम निर्माण किए जाने हेतु कार्य करने कहा। कार्यशाला में एपीओ जिला पंचायत श्रीमती स्वेच्छा सिंह सरगुजा, सीईओ जनपद पंचायत उदयपुर, जनपद पंचायत उदयपुर व लखनपुर के सभी सचिव, करारोपण, बीपीएम, वाईपी, पीआरपी, बीएसओ, बीसी, सीसी सहित जिला एवं विकासखण्ड स्तर के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्व अधिकारियों को नवीन कानूनों के संबंध में जानकारी देने हुई बैठक

» नवीन कानून आगामी 1 जुलाई से होंगे लागू

\- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोसकर की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार,नायब तहसीलदार, आबकारी, खाद्य एवं खनिज अधिकारी को भारतीय न्याय व्यवस्था अंतर्गत परिवर्तित किए गए 3 नवीन कानूनी नियमों से आम नागरिकों को अवगत कराने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त राजस्व प्रणव सिंह, अपर कलेक्टर सुनील नायक, एएल ध्रुव उपस्थित थे।

शासकीय अधिवक्ता एवं शासकीय लोक अभियोजक मिथलेश कुमार सिंह, अतिरिक्त शासकीय अभिभाषक राकेश सिन्हा एवं अरविंद सिंह और जिला अभियोजन अधिकारी सीपी केशरी द्वारा नवीन कानून के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में बताया गया कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के नाम से लाए गए हैं, ये नए कानून क्रमशः इंडियन पीनल कोड 1860, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड 1898 तथा इंडियन एविडेंस एक्ट 1872 का स्थान लेंगे। कार्यशाला में सार्थक बातचीत और विचार विमर्श के माध्यम से नवीन कानून की मुख्य विशेषताओं को उपस्थित जनों के समक्ष रखा गया। कार्यशाला में कहा गया कि नवीन न्याय संहिता, संविधान द्वारा दिए गए सभी अधिकारों की रक्षा करेगी और सभी को न्याय मिले इस बात पर बल देगी। इसके साथ ही विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी गई। उक्त नवीन कानून आगामी 1 जुलाई 2024 से प्रवर्तनीय एवं लागू होगी।

बेदमति को एक माह में ही मिली अनुकंपा नियुक्ति

\- संवाददाता -
लखनपुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सरकार लोगों के हित में त्वरित कार्य कर रही है। समय सीमा के अंदर जरूरतमंद परिवार को अनुकंपा नियुक्ति मिल सकें,शासन इस पर लगातार प्रयास कर रही है।

गरियाबंद जिले की बेदमति ध्रुव को आवेदन करने के 1 माह में ही अनुकंपा नियुक्ति मिली है। शासन की त्वरित कार्यवाही के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है।गरियाबंद जिले की बेदमति ध्रुव के पति धानेन्द्र प्रताप ध्रुव ग्राम पंचायत सचिव थे। 3 जून 2024 को उनका आकस्मिक निधन हो गया। 19 जून को श्रीमती ध्रुव ने जनपद पंचायत गरियाबंद में अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया था। जिला पंचायत सीईओ रीता यादव ने आवेदन में त्वरित कार्यवाही करते हुए 01 माह के भीतर ही आवेदन के परीक्षण बाद 26 जून 2024 को उनकी अनुकंपा नियुक्ति स्वीकृत कर ली। अब श्रीमती ध्रुव को गरियाबंद जिला के अंतर्गत ग्राम पंचायत मालगांव (प्रशासनिक) में पंचायत सचिव पद पर पदस्थ किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री के 6 महीने के कार्यकाल की पहली कार्यवाही...उस पर भी विवाद...मरीज से राशि मांगने पर प्रभारी सिविल सर्जन बैकुंठपुर निलंबित,कार्यवाही में पक्षपात...एक शिकायत पर तत्काल हुई जांच और कार्यवाही...सीएमएचओ और पूर्व प्रभारी डीपीएम की शिकायत के विरुद्ध ना जांच ना ही कोई कार्यवाही?

ना अपील,ना दलील,सीधे चिकित्सक को कर दिया निलंबित

स्वास्थ्य मंत्री के राज में यह कैसा बवाल?

पैसा मांगने की शिकायत पर सीएस के निलंबन के बाद बिफरे जिला चिकित्सालय के चिकित्सक...

सीएस का निलंबन समाप्त करने कलेक्टर को छग डाक्टर्स एशोसियेशन के बैनर तले दिया गया ज्ञापन

मामले की सच्चाई क्या यह जानना भी जरूरी नही समझा गया?

विभाग में प्रदेश भर से लगातार कमियों की खबरें सामने आ रही जिसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने आनन फानन में निर्णय लेकर दिया था निलंबित करने का निर्देशःसूत्र

सीएस पर कार्यवाही, सीएमएचओ पर मेहरबानी इसलिए लामबंद हुए चिकित्सकःसूत्र

पूर्व डीपीएम के खास हैं कोरिया सीएमएचओ इसलिए स्वास्थ्य मंत्री को नही दिखती उनकी कमी

-रवि सिंह-
कोरिया/रायपुर 28 जून 2024 (घटती-घटना)।

सिडनी रौलेट द्वारा पारित 1919 के रौलेट अधिनियम को काला कानून कहा जाता था, इस अधिनियम में नागरिक स्वतंत्रता को गंभीर रूप से सीमित कर दिया गया था, अधिनियम के अनुसार पुलिस किसी भी व्यक्ति को बिना किसी वारंट और गिरफ्तारी का कारण बताए बिना भी गिरफ्तार कर सकती थी। कुल मिलाकर इसे ही ना अपील ना दलील वाली कार्यवाही कही जाती थी, जिसका राष्ट्रपिता गांधी जी ने भी विरोध किया था। अब ऐसा ही हाल कोरिया जिले में भी देखने को मिला है जिसमें जिला चिकित्सालय के चिकित्सक को बिना पक्ष लिये निलंबित कर दिया गया है, निलंबन के बाद स्वास्थ्य विभाग में बवाल मच गया है, निलंबन कार्यवाही के बाद जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों ने सीएस के बचाव में काम बंद कर दिया है, डॉक्टर्स एसोशियेशन के बैनर तले कलेक्टर कोरिया को ज्ञापन सौंपकर निलंबन रद्ध करने की मांग की गई है। ज्ञात हो कि यह पूरी कार्यवाही प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के निर्देशन में की गई थी जिसके बाद चिकित्सक लामबंद हो गए हैं इस कार्यवाही के बाद तमाम सवाल उठ रहे हैं।

ज्ञात होकी वर्तमान भाजपा सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के छः महीने के कार्यकाल संपन्न होने के बाद व लगातार अनियमिताओं व भ्रष्टाचार की खबर प्रकाशन कर अवगत कराने के बावजूद अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई थी पर अचानक छः महीने बाद एक शिकायत पर नए-नए बनाए गए सिविल सर्जन को निलंबित कर दिया गया है,वह भी मरीज से पैसे की मांग करने की शिकायत पर, शिकायत पर जांच भी त्वरित हुई और कार्यवाही त्वरित की गई, यह स्वास्थ्य मंत्री के पड़ोसी जिले की पहली कार्यवाही है जिसकी सराहना भी हो रही है इसी प्रकार की कार्यवाही स्वास्थ्य मंत्री आगे भी करेंगे यह लोगों की उम्मीद है पर इस कार्यवाही के बीच कुछ बड़े सवाल भी खड़े हो गए हैं जो स्वास्थ्य मंत्री के लिए भी सोचनीय विषय है, वह विषय यह है कि पिछले छः महीने से कोरिया सीएमएचओ व तत्कालीन प्रभारी डीपीएम के विरुद्ध हुई कई शिकायतों व खबर प्रकाशन के बावजूद भी ना जांच हुई और ना कार्यवाही हुई, ऐसा लगा कि इन दोनों पर स्वास्थ्य मंत्री की विशेष कृपा रही और जिला प्रशासन की तो कृपा बरस ही रही है, इनके मामले में जांच कछुए की चाल से भी धीमी चल रही है वहीं पहली बार ऐसा देखने को मिला जब कभी तीव्र गति से जांच व कार्यवाही हुई जो सिविल सर्जन के मामले में हुई,जो अच्छी भी है और ऐसा होना भी चाहिए पर वही बाकी शिकायतों पर भी इसी प्रकार तीव्र गति से जांच व कार्यवाही होनी थी जो क्यों नहीं हुई क्या स्वास्थ्य मंत्री एवम जिला प्रशासन मुंह देखा देखी कार्यवाही कर रहे है?

यह था मामला

छत्तीसगढ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अवर सचिव मुकेश चैहान द्वारा 27 जून की शाम एक आदेश जारी किया गया जिसके अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया के प्रतिवेदन अनुसार डॉ. राजेन्द्र बंसरिया अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर जिला कोरिया द्वारा मरीज का आपरेशन करने हेतु राशि की मांग की गई तथा मरीज के परिजन द्वारा राशि नही दिये जाने के कारण मरीज का ईलाज नही किया गया। डॉ. बंसरिया का उक्त कृत्य छग सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 का स्पष्ट उल्लंघन है। अतएव राज्य शासन द्वारा उन्हे निलंबित कर निलंबन अवधि में कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक सरगुजा संभाग अंबिकापुर संलग्न कर दिया गया था। यह निलंबन की कार्यवाही प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के निर्देशन में की गई थी जैसा सूत्रों का कहना है।

आनन-फानन में दिया था निलंबित करने का निर्देश

गुरूवार को मामला सामने के बाद प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल द्वारा सीएमएचओ को प्रतिवेदन देने कहा गया था जैसा कि सूत्रों का कहना है। प्रतिवेदन देने में सीएमएचओ ने तत्परता दिखलाई,संबंधित चिकित्सक से किसी प्रकार का संवाद स्थापित नही किया गया और ना ही उनसे पक्ष लिया गया। बतलाया जाता है कि प्रतिवेदन मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर विभाग द्वारा सीएस डॉ बंसरिया को निलंबित कर दिया गया। जिसके बाद चिकित्सक लामबंद हो गए हैं।

प्रदेश में बिगड़ी स्वास्थ्य विभाग की चाल

प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग इन दिनों ऐसे ऐसे कारनामों के लिए सुर्खियां बटोर रहा है,आए दिन स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी खबरें सामने आ रही है। प्रदेश भर में कंट्रोलिंग पावर खत्म हो गया है। दलाल और सप्लायर मंत्री के सलाहकार बन गए हैं। जबकि पार्टी पदाधिकारी और जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ता दर-दर भटक रहे हैं। मंत्री बंगले में दिखाने के लिए चाक चैबंद व्यवस्था की गई है,मुख्य द्वार पर सामान्य जनों से नाम,पता के साथ आने जाने के कारण का उल्लेख कराय जाता है जबकि दलाल और सप्लायरों के लिए इन सबकी छूट है। स्वास्थ्य विभाग का सिस्टम पूरे प्रदेश भर में बेपटरी हो चुका है लेकिन जिम्मेदार मंत्री को यह सब दिखलाई नही दे रहा है।

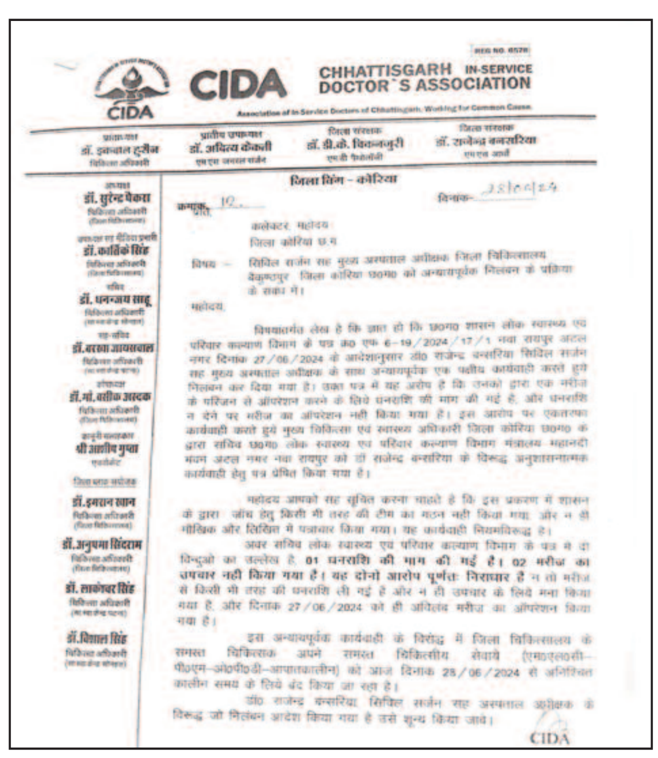
CIDA
CHHATTISGARH IN-SERVICE DOCTOR'S ASSOCIATION
Association of In-Service Doctors of Chhattisgarh, Working for Common Cause.

जिला विंग - कोरिया

क्रमांक 10 दिनांक 28/06/24

प्रति,
कलेक्टर महोदय
जिला कोरिया छ.ग.

विषय - सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ0ग0 को अन्यायपूर्वक निलंबन के प्रक्रिया के संबंध में।

महोदय,

... 01 धनराशि की मांग की गई है। 02 मरीज का उपचार नही किया गया है। यह दोनो आरोप पूर्णतः निराधार है ...

... दिनांक 28/06/2024 से अनिश्चित कालीन समय के लिये बंद किया जा रहा है।

डॉ0 राजेन्द्र बंसरिया सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक के विरुद्ध जो निलंबन आदेश किया गया है उसे शून्य किया जावे।

CIDA

कुछ सवाल

सवालः सिविल सर्जन के विरुद्ध हुई शिकायत पर प्रशासन ने दिखाई तत्परता पर वहीं सीएमएचओ व पूर्व प्रभारी डीपीएम के विरुद्ध शिकायत पर क्यों नहीं दिखाई गई तत्परता?

सवालः क्या जिसका स्वास्थ्य मंत्री से अच्छा संबंध उनकी जांच व कार्यवाही में होगा विलंब या उन्हें दिया जाएगा बचने का पूरा मौका?

सवालः जिला अस्पताल में जारी वित्तीय अनियमितताओ पर कब खुलेगी प्रशासन की आंख और कब होगी कार्यवाही?

सवालः सिविल सर्जन को नहीं मिला मौका पर सीएमएचओ और पूर्व प्रभारी डीपीएम को मिला भरपूर मौका क्या यही है निष्पक्ष कार्यवाही?

पूर्व डीपीएम के खास हैं सीएमएचओ इसलिए मिला वरदान

कोरिया जिले में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.आर एस सेंगर कांग्रेस सरकार में प्रभारी सीएमएचओ बनाए गए थे उन्हे कांग्रेस विधायक अंबिका सिंहदेव के चंगु-मंगु सलाहकारो ने सीएमएचओ बनवाने में मुख्य भूमिका निभाई थी जैसा सूत्रो का कहना है इसमे भी पूर्व डीपीएम प्रिंस जायसवाल की भूमिका थी। प्रदेश में सरकार बदल गई उसके बाद प्रभारी सीएमएचओ खुद को संघी और भाजपाई बदलाते हुए पाला बदलने में कामयाब हो गए। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को बना दिया गया,इसलिए डीपीएम प्रिंस जायसवाल ने रिश्तेदारी बतलाते हुए विभाग समेत सीएमएचओ को पूरी तरह से अपने कब्जे मे ले लिया। सीएमएचओ डॉ. सेंगर के कार्यकाल में कोरिया जिले में जिस प्रकार से भर्राशाही मची हुई उससे चिकित्सा स्टॉफ भी परेशान है। सारे चिकित्सक सीएमएचओ के खिलाफ लामबंद हैं,गुटबाजी चरम सीमा पर पहुंच गया है,मनमानी भर्ती भी की गई है। लेकिन ना जाने स्वास्थ्य मंत्री को यह सभी कमियां नजर क्यो नही आ रही है। सूत्रों का कहना है कि सीएमएचओ पूर्व डीपीएम के खास हैं इसलिए वे गलत करके भी सुरक्षित हैं। ऐसा नही है कि सीएस के मामले में वास्तविकता की जानकारी सीएमएचओ को नही है लेकिन गुटबाजी के कारण आनन फानन में बगैर पक्ष लिये ही कार्यवाही के लिए लिख दिया गया जो कि निंदनीय है।

कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन, निलंबन रद्ध करने की मांग

बिना जांच पड़ताल के स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशन के बाद सीएस का निलंबन और फिर चिकित्सकों द्वारा सेवाएं बंद करना स्वास्थ्य मंत्री के लिए भी सवालिया निशान है,आखिर उनसे यह विभाग क्यों नही संभल रहा। निलंबन कार्यवाही के बाद कोरिया जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों ने डॉक्टर्स एसोशियेशन के बैनर तले कलेक्टर कोरिया को हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा है। जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा की गई निलंबन कार्यवाही का संदर्भ देते हुए कहा गया है कि डॉ. राजेन्द्र बंसरिया सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के साथ अन्यायपूर्वक एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए निलंबन कर दिया गया है। उक्त पत्र में यह आरोप है कि उनके द्वारा एक मरीज के परिजन से ऑपरेशन करने के लिए धनराशि की मांग की गई है और धनराशि ना देने पर मरीज का ऑपरेशन नही किया गय। इस आरोप पर एकतरफा कार्यवाही करते हुए सीएमएचओ कोरिया द्वारा सचिव छग लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग रायपुर को डॉ. राजेन्द्र बंसरिया के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया था। संघ द्वारा लिखा गया है कि इस प्रकरण में शासन के द्वारा जांच हेतु किसी भी तरह की टीम का गठन नही किया गया और न ही मौखिक या लिखित रूप से पत्राचार किया गया। यह कार्यवाही नियम विरूद्ध है। स्वास्थ्य विभाग के पत्र पर धनराशि की मांग एवं उपचार ना करने के आरोप का निराधार बतलाते हुए चिकित्सकों ने कहा है कि ना तो मरीज से किसी प्रकार की धनराशि ली गई है और ना ही उपचार के लिए मना किया गया है। 27 जून को ही मरीज का ऑपरेशन किया गया है। चिकित्सकों ने कहा है कि इस अन्यायपूर्ण कार्यवाही के विरोध में जिला चिकित्सालय के समस्त चिकित्सक अपने समस्त चिकित्सकीय सेवयें को 28 जून से अनिश्चत काल के लिए बंद किया जा रहा है। चिकित्सकों ने मांग किया है कि डॉ. राजेन्द्र बंसरिया सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक के विरूद्ध जो निलंबन आदेश दिया गया है उसे शून्य किया जावे। चिकित्सकों ने हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा है।

सिविल सर्जन के विरुद्ध हुई शिकायत पर त्वरित जांच कार्यवाही,पर वही पूर्व प्रभारी डीपीएम व सीएमएचओ के विरुद्ध कई शिकायतों पर क्यों नहीं हुई त्वरित जांच कार्यवाही?

सिविल सर्जन की शिकायत हुई और तत्काल जांच की जाकर कार्यवाही कर दी गई वह निलंबित हो गए वहीं पूर्व प्रभारी डीपीएम साथ ही सीएमएचओ के विरूद्ध असंख्य शिकायतों की जांच ठंडे बस्ते में डाले रखना क्या और किस ओर इशारा करता है। बताया जाता है की कोरिया जिले में पूर्व प्रभारी डीपीएम और सीएमएचओ ने जमकर भ्रष्टाचार किया है और उन्होंने मिलकर मरणासन्न मरीजों के नाम पर भी खरीदी कर ली है और जिसमे दवाइयां और मशीनें जांच की शामिल हैं। सूत्रों की माने तो कोरोना काल में तो एक तरफ लोगों की जाने जा रही हैं दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग कोरिया खरीदी भर्ती और अन्य भ्रष्टाचार में भिड़ा हुआ था। किराए के गोदाम तक लिए गए और आपदा को अवसर बनाकर जमकर स्वास्थ्य विभाग के आबंटन का बंदरबांट किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में तो केवल भ्रष्टाचार ही हुआ,वहीं भर्ती में भी कूट रचित दस्तावेज के आधार पर भर्ती की गई जो शिकायत के अनुसार कहा जा सकता है। वैसे कांग्रेस शासनकाल से लेकर वर्तमान भाजपा शासनकाल के चार महीने तक कोरिया जिले में जो डीपीएम काम कर रहे थे वह भ्रष्टाचार के मुख्य जड़ थे वहीं उनकी कई शिकायतें भी हैं उनके विरुद्ध जांच की भी बात हो रही थी लेकिन जैसे ही स्वास्थ्य मंत्री से उनके चाचा भतीजे का रिश्ता वाला मामला सामने आया सारी शिकायतें ठंडे बस्ते में डाल दी गई और मामले को ठंडा करने के लिए पूर्व प्रभारी डीपीएम को सूरजपुर भेज दिया गया। वैसे जिसकी डिग्री जिसकी जाति प्रमाण-पत्र को लेकर भी शिकायत है उसके विरुद्ध निष्कासन सहित कानूनी कार्यवाही की बजाए उसे उपकृत किया जाना कहां तक उचित है यह बड़ा सवाल है।

वित्तीय अनियमितता अपार

अब तक जिला प्रशासन का ध्यान जिला अस्पताल में लोगो का ध्यान सिर्फ साफ-सफाई और चिकित्सकों के आने-जाने पर ही केंद्रित रहा है,नेताओ के दौरे के पहले अस्पताल को चकाचक कर दिया जाता रहा,परंतु वित्तीय कामकाज पर पर्दा डला रहता था, इनसाइड स्टोरी लगातार वित्तीय अनियमितता पर प्रहार कर रहा है, इसकी इन बानगी अब सबके सामने है, प्रभारी सीएस निलंबित हो चुके है। वही बीते 6 माह में 50 लाख से ज्यादा के काम बिना लोक निर्माण विभाग की तकनीकी स्वीकृति के आनन फानन में किए जा चुके है। जिसकी कोई जांच करने को तैयार नही है।

एक चिकित्सक बने ठेकेदार

सूत्रों की माने तो जिला अस्पताल में वैसे पहले से ही चिकित्सको की कमी है,ऐसे में एक चिकित्सक ठेकेदार बने हुए है,वो एक भी मरीज को नही देखते है,दिन भर निर्माण कार्य मे व्यस्त और रात होने पर जिला अस्पताल की तीसरी मंजिल में ऑफिस बन्द कर चेक काटने का काम चलता रहता है। मरीजों से कोई लेना-देना नही है। नए-नए बाबू भी इस अनियमितता में जमकर हाथ साफ कर रहे है।

मंत्री पद को व्यापार की तरह चला रहे स्वास्थ्य मंत्री?

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री का पद बहुत बड़ा जिम्मेदारी वाला पद होता है जिम्मेदारी के साथ ही जनता के हित में काम करने की शपथ भी इसीलिए ली जाती है। लेकिन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री चुकि शुद्ध रूप से व्यापारी हैं उनका राइस मिल से जुड़ा लंबा चौड़ा व्यवसाय है इसलिए उनका आज तक का कार्यकाल देखा जाए तो यही लगता है कि वे मंत्री पद को भी व्यापारिक नजर से चला रहे हैं और उसी फायदे नुकसान को ध्यान रखते हुए काम किया जा रहा है।

जिस पर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य मंत्री की कृपा क्या उस पर नहीं होगी त्वरित जांच कार्यवाही?

पूर्व प्रभारी डीपीएम कोरिया एवम वर्तमान में सूरजपुर प्रभारी डीपीएम के मामले में जिला प्रशासन और खुद स्वास्थ्य मंत्री मौन हैं,पूर्व प्रभारी डीपीएम की कई शिकायतें हैं जिनमे भ्रष्टाचार की ही शिकायतें ज्यादा हैं। अब लगता यही है की पूर्व प्रभारी डीपीएम को लेकर जिला प्रशासन और जांच दल हथियार डाल चुके हैं क्योंकि मामला विभागीय मंत्री के भतीजे से जुड़ा है। कुल मिलाकर न ही त्वरित कार्यवाही नजर आने वाली है इनके मामले में न ही कोई जांच ही होने वाली है। कुल मिलाकर पूर्व प्रभारी डीपीएम के मामले में एक ही कहवात चरितार्थ होती नजर आती है वह है सैयां भए कोतवाल तो डर काहे का।

प्रभारी डीपीएम के मामले में प्रशासन ने दिया खूब समय उन्हे फाइलों में लीपापोती करने का

पूर्व प्रभारी डीपीएम अपनी करनी पर पर्दा डालने सफल हो सकें इसलिए उन्हे खूब समय दिया गया। उन्हे कागजों दस्तावेजों में लीपापोती के लिए सीसीटीवी बंद करके भी मौका दिया गया जबकि उनका तबादला हो चुका था । यह सब कुछ केवल इसलिए उन्हे सुविधा मिली क्योंकि वह स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे हैं। वैसे यह भी बताया जा रहा है की पूर्व प्रभारी डीपीएम की जगह कोई दूसरा व्यक्ति होता जो स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा न होता तो वह जेल में होता क्योंकि दोष सिद्ध होना आसान मुश्किल नही था पहली जांच में ही सारा भ्रष्टाचार खुलकर सामने आ जाता।

स्वास्थ्य विभाग बना हुआ है कुबेर का खजाना,मरीजों के नाम पर उनके हक को छीनकर महल बना रहे जिम्मेदार

स्वास्थ्य विभाग कुछ लोगों के लिए कुबेर का खजाना बना हुआ है,कुछ जिम्मेदार लगातार इस खजाने को लूट रहे हैं जो मरीजों और जरूरतमंद लोगों के इलाज के लिए रखा गया खजाना है उससे अपने लिए महल बना रहे हैं अपने परिवार के लिए साधन सुविधा कमा रहे हैं। यदि आंखों देखी ही बात करें तो स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों को लेकर जांच की जाए तो सभी का महल भ्रष्टाचार की पोल खोल देगा क्योंकि घर की जगह सभी का महल है तैयार बना हुआ वहीं जितनी जिसकी सैलरी नहीं उससे ऊपर उसका और उसके परिवार का जीवन स्तर है। जल्द ही ऐसे लोगों का भी खुलासा होगा जो स्वास्थ्य विभाग में काम करते हुए वेतन तो कम पाते हैं लेकिन जिनका जीवन स्तर किसी राजा महाराजा से कम नही होता।

स्वास्थ्य मंत्री साबित हुए असफल या फिर वह जानबूझकर हैं मौन,स्वास्थ्य व्यवस्था प्रदेश में बद्त्तर,यह हर किसी की है जबानी

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री या तो असफल साबित हो चुके हैं विभाग चला पाने में या तो वह जानबूझकर मौन हैं क्योंकि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था भगवान भरोसे है यह हर किसी की जबानी है। देखा जाए तो स्वास्थ्य व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने वाले पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूब चुके हैं और जिन्हे यह तो मालूम है की भ्रष्टाचार कहां करना हैं लेकिन यह नहीं मालूम है की उनका काम सेवा क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। सेवा क्षेत्र में मेवा का खेल चल रहा है मरीज जान गंवा रहा है परेशान परिजन निजी अस्पताल जाकर लाखों गवां रहे हैं वहीं भ्रष्टाचारी उन्हे ही सुविधा देने करोड़ों अरबों डकार जा रहे हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है की यह लोग भगवान से भी नहीं डरते हैं और उन्हे यह भी डर नहीं की इन्हे एक दिन भगवान भी सजा दे सकता है क्योंकि वह मरीजों का हक घर ले जा रहे हैं बाल बच्चों को उसका स्वाद चखा रहे हैं।

प्रधानमंत्री क्या देंगे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर ध्यान, क्या वह अपनी ही सरकार के कामकाज की करेंगे जांच?

देश के प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के विरोध में अभियान छेड़ रखे हैं। कांग्रेस सत्ता में थी प्रदेश में तो उन्होंने कई अभियान चलाकर कई भ्रष्टाचारियों को अंदर कराने का काम किया और जिनमे आईएएस अधिकारी भी शामिल थे वहीं अब जब उन्ही के दल की सरकार है और स्वास्थ्य व्यवस्था भगवान भरोसे है वहां पैसे की बंदरबांट हो रही है क्या वह जांच करवाएंगे क्या वह अपने ही शासन के मंत्री से सवाल जवाब करेंगे। वैसे अब यह तो तय हो गया है की स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति ऐसी है की पूरे प्रदेश में तो नहीं मंत्री जी के गृह संभाग की सभी विधानसभा सीटों पर इसका असर जरूर पड़ेगा और आगामी चुनाव में निश्चित ही संभाग में पार्टी का प्रदर्शन खराब होगा।

कांग्रेस ने बनाया था स्वास्थ्य विभाग को सोने की अंडे देने वाली मुर्गी,अब भी जारी है वही प्रथा

कांग्रेस की पिछली सरकार ने कैसे स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार किया कैसे उसने सोने की अंडे देने वाली मुर्गी बनाए रखा विभाग को सबकुछ ठेके पर डालकर जमकर मलाई खाया कोरोना काल में भी जमकर लूटा विभाग को मरते लोगों के हिस्से को भी नहीं छोड़ा वैसा ही अब भी जारी है यह विडंबना ही है की परिवर्तन का लाभ जनता को नहीं हुआ।

चिकित्सकों ने काम बंद किया

गुरूवार को सीएस डॉ. राजेन्द्र बंसरिया के निलंबन का आदेश कोरिया पहुंचा और देखते ही देखते सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर तैरने लगा। दूसरे दिन इस मामले पर तरह तरह की बातें सामने आने लगी जिसके बाद जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों ने कार्यवाही को गलत ठहराया और चिकित्सकीय कार्य पूरी तरह से बंद कर दिया। जिला चिकित्सालय के ओपीडी में चिकित्सकों की गैर मौजूदगी से मरीज भी परेशान होते रहे। सिर्फ सिर्फ आपातकालीन सेवाओं को जारी रखा गया था।

किसानों की शिकायत पर कोटाडोल पहुंची जांच समिति

किसानों का लिया बयान,प्रबंधक की ऊंची पहुंच के आगे कही ये जांच प्रतिवेदन भी दब न जाए

-रवि सिंह-
एमसीबी,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिले के कोटाडोल स्थित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति में किसानों के नाम बिना उनके हस्ताक्षर लाखों रुपए के लोन निकल गए,जब शिकायत सामने आई तो अब किसानों के खातों में अचानक राशि आने लगी है, इधर, कलेक्टर एमसीबी ने मामले की जांच समिति बनाई और दो दिन से जांच समिति किसानों के बयान दर्ज कर रही है। अब तक 30 से ज्यादा किसानों के बयान दर्ज हो चुके है।

कलेक्टर एमसीबी के निर्देश पर कोटाडोल पहुंची जांच समिति किसानों को अलग अलग बुलाकर उनके बयान दर्ज कर रही है, किसान तहसीलदार कार्यालय के बाहर लगे नीम के पेड़ के नीचे बैठकर अपनी पारी का इंतजार कर रहे है, 35 किसानों ने पूर्व में शिकायत की थी अब नए शिकायतकर्ता किसान सामने आ रहे है, पूरे क्षेत्र से किसान जांच समिति के सामने आ कर अपनी आप बीती सुना रहे है। इससे पहले जब 25 किसानों ने सामने आ कर प्रबंधक की शिकायत की थी तो किसानों को उनकी शिकायत वापस लेने का दबाव भी बनाया गया, दूरस्थ गांव रुषनी तक जाकर उन्हें हस्ताक्षर करवाने की कोशिश की गई परंतु किसान अपनी शिकायत से तस से मस नही हुए थे।

रबी की फसल के नाम पर लोन

कोटाडोल क्षेत्र में सैकड़ो किसानों के ऊपर रबी की फसल के लिए लोन चढ़ा हुआ है जबकि इस क्षेत्र के 90 प्रतिशत किसान रबी की फसल नही लेते है, परंतु उनके नाम पर लोन दिखा रहा है,ऐसे किसान परेशान है कि जब उन्होंने लोन लिया ही नही तो उनके खाते में लोन चढ़ा कैसे और उनके नाम राशि आखिर किसने उठाई?ऐसे सवालों से किसान परेशान है।

बैंक ज्यादा जिम्मेदार?

कोटाडोल में हुए फर्जीवाड़े में कहीं न कहीं बैंक प्रबंधन ज्यादा जिम्मेदार है,ज्यादातर किसानों की माने तो उनको बैंक गए सालों बीत गया, उन्हें पता ही नही है उनके बैंक गए बगैर उनके फर्जी हस्ताक्षर कर कौन पैसे आहरण कर रहा है, क्या बैंक प्रबंधन को इस ओर कोई ध्यान नही है, बिना बैंक की मिलीभगत के राशि का आहरण होना संभव नही है।

अब खाते में आ रहे है पैसे

कोटाडोल समिति से जुड़े मिलरों पर भी अब तक नकेल नही कस पाई है, शिकायत के बाद अब किसानों के खाते में राशि डाली जा रही है, जिससे साफ है कि किसानों के नाम पर उन्हें बिना जानकारी के लोन चढ़ाया गया और जमकर वित्तीय अनियमितता बरती गई।

जांच प्रतिवेदन दबा

प्रबंधक के खिलाफ तहसीलदार जनकपुर की जांच का जांच प्रतिवेदन की कार्यवाही के लिए कलेक्टर कार्यालय पहुंची फ़ाइल दबा दी गई है, बताया जाता है कि सहकारिता विभाग कार्यवाही करने से पीछे हट रहा है जबकि जांच प्रतिवेदन में साफ किखा है कागजो पर धान खरीदी हुई और इसे मिलरों तक पहुंचाया भी गया। ऐसे के देखना है किसानों की शिकायत का जांच प्रतिवेदन पर क्या कार्यवाही होती है।

भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता कहलाएगी,भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 भी देश में लागू होगी

भारतीय दण्ड संहिता अब भारतीय न्याय संहिता के नाम से जानी जायेगी

-संवाददाता-
कोरिया,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया पुलिस द्वारा नए कानूनों को लेकर एक वृहद कार्यशाला का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित मानस भवन में किया गया,आयोजन में काफी संख्या में राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग,महिलाएं,वरिष्ठ नागरिक, छात्र, मीडिया, एनजीओ और कई क्षेत्रों के लोगो ने हिस्सा लिया, इस अवसर पर कोरिया एसपी सूरज सिंह परिहार ,जिला पंचायत सीईओ और प्रभारी कलेक्टर आशुतोष चतुर्वेदी, एडिशनल एसपी मोनिका ठाकुर, एसडीएम अंकिता सोम सहित कई प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कोरिया एसपी सूरज सिंह परिहार ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता अब नया कानून आ गया है, जो एक जुलाई से अमल में आ जायेगा। समय के साथ बदलाव जरूरी है, इसलिए अब हमें नए कानूनों की जरूरत आन पड़ी है, कानूनों में बड़ा बदलाव हुआ है उन्होंने कहा की कानून में बदलाव की आवश्यकता इसलिए आन पड़ी क्योंकि समय के साथ कुछ कानूनी धरायें अप्रासंगिक हो गई हैं और जिन्हे बदला गया उन्होंने कहा की कुछ कानूनों को लेकर अब पुलिस को भी फिर से सीखने की जरूरत होगी जो वह सीखने और व्यवहार में लाने अपना काम करेंगे उन्होंने यह भी बताया की 1860 में भारतीय दंड संहिता प्रभाव में आई थी और अब वह प्रासंगिक कुछ मामलों में नहीं रह गई थी जिनमे से कुछ धाराओं में बदलाव दंड के अनुसार और वहीं दंड संहिता के जगह न्याय संहिता नामकरण किया गया, प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि हमारे देश का कानून काफी पुराना रहा है और उंसमे समय समय पर माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी काफी कुछ कहा है संसोधन भी किया गया है, अपराधों की परिभाषा बदल रही है, अपराध बदल रहे है, जब कानून बना तब सोशल मीडिया नही था तो अब बदलाव की बयार चल रही है इसलिए नया कानून आ चुका है, 1 जुलाई से भारतीय न्याय संहिता लागू हो रही है।

कार्यशाला का ये रहा मुख्य उद्देश्य

लोक अभियोजन अधिकारी और सहायक लोक अभियोजन अधिकारी ने नए कानूनों के बारे में विस्तार से बताया। भारतीय दंड संहिता 1860,भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 18 72 का 1 जुलाई से स्थान लेने जा रहे नवीन कानून संहिताओं से अवगत कराने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिनमें भारतीय न्याय संहिता 2023,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य संहिता 2023 शामिल हैं। कार्यशाला में बताया गया कि इन कानूनों में अपराध की विवेचना,न्यायिक प्रक्रिया तथा सहित सभी प्रक्रियाओं के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है। पाक्सो एक्ट में दंड को कठोर किया गया है। वहीं कुछ अपराधों के लिए सामाजिक सेवा के दंड का प्रावधान भी किया गया है। नए कानूनों में आम नागरिकों के हितों की रक्षा के साथ ही अपराधियों के विरुद्ध कठोर दंड के प्रावधानों के संबंध में बताया गया। इसके साथ ही नए कानूनों से महिलाओं के हितों की रक्षा के साथ कुछ अपराधों के लिए किए गए कड़े प्रावधानों के संबंध में भी जानकारी दी गई। यह भी बताया गया कि नए कानून में अपराध की सूचना किसी भी थाने में दिए जाने के साथ ही ई-माध्यम से भी दिए जाने का प्रावधान दिया गया है।

नर्सिग होम एक्ट के तहत पंजीयन में डिमांड, कलेक्टर के ट्रांसफर के पहले खेला शुरू

चिकित्सकों से बदला ले रहे है सीएमएचओ,सभी ने की थी सीएमएचओं की शिकायत

-रवि सिंह-
कोरिया,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग पर कलेक्टर कोरिया मेहरबान है,बीते दो वर्षो से इस विभाग में जमकर वित्तीय अनियमितताएं बरती गई पर कलेक्टर कोरिया एकदम चुप रहे, अब जानकारी ये निकलकर सामने आ रही है कि कलेक्टर के ट्रांसफर के पहले नर्सिग होम एक्ट के तहत लैब,क्लिनिक,नर्सिग होम को लायसेंस जारी किया जाना है, लंबे समय से इसे रोक के रखा गया था, अब लायसेंस रिनीवल के नाम पर इन संस्थानों से लंबी डिमांड रखी गयी है। डिमांड की समय सीमा तय कर दी गई है ताकि कलेक्टर के स्थानांतरण से पहले वसूली हो सके। आप जानकार हैरान रह जाएगें अभी भी पूर्व डीपीएम ही इस शाखा को डील कर रहा है इस शाखा का प्रभार आज तक किसी को नहीं दिया गया है।

प्रभारी सीएस डॉ राजेन्द्र बंसरिया के पैसे लेने के बाद निलंबित हो जाने के बाद अब कई मामले सामने आने लगे है। अब स्वास्थ्य विभाग कोरिया का बडा कारनामा सामने आ रहा है। सूत्रों की माने तो जिले भर में संचालित लैब, क्लिनिक और नर्सिग होम से वसूली का फोन घनघनाने लगे है,कुछ संचालकों की माने तो कांग्रेस सरकार में उनसे कभी इसे लेकर किसी भी तरह के पैसे की डिमांड नही की गई थी, परन्तु अब तो सीधे रिनीवल के लिए भारी भरकम पैसे की डिमांड की जा रही है। हैरानी की बात यह कि इसकी पूरी जानकारी जिला प्रषासन को है,उ सीएमएचओ डॉ सेंगर और पूर्व डीपीएम मिलकर इस खेल में शामिल है। पीएनडीटी एक्ट की शाखा आज भी पूर्व डीपीएम ही देख रहा है, इसमें जमकर वसूली की जा रही है,सूत्र यह भी बता रहे है कि कलेक्टर के स्थानांतरण के पहले भारी भरकम वसूली कर आनन फानन में लायसेंस जारी किए जाने की तैयारी है। इसमें बकायदा फोन पर राषि की डिमांड की जा रही है।

चिकित्सकों से बदला ले रहे सीएमएचओ

सीएमएचओ डॉ आरएस सेंगर के खिलाफ जिला अस्पताल के सभी चिकित्सकों ने जनवरी 2024 में मोर्चा खोला था,सभी ने हस्ताक्षर करके सीएमएचओं को हटाने की मांग की थी, सभी चिकित्सकों को इसकी पूरी जानकारी है कि जब कोई दौरे में आता है कि तो पहले से ही वो अधिकारियो और नेताओं को उसके खिलाफ काफी कुछ नाकारात्क बाते बता चुके होते है, और फिर दौरे में खुद सामने आकर चिकित्सकों के खिलाफ बाते उगलना शुरू कर देते है, सभी चिकित्सकों को डॉ सेगर की रणनीति का पूरा भान है। डॉ बंसरिया के मामले में डॉ सेंगर की चाल कामयाब हो चुकी है, सूत्र बताते है कि अभी डॉ सेगर और पूर्व डीपीएम के रडार पर कई चिकित्सक है जिन्हे बलि का बकरा बनाया जाना है, एक और चिकित्सक को बैक डेट में स्टोर इंचार्ज बनाकर बना चुके है। अब देखना है अब कौन अगला चिकित्सक उनके निषाने पर आता है।

महतारी वंदन योजना का लाभ से महिलाएं हो रही आर्थिक रूप से मजबूत

-संवाददाता-
कोरबा,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करने के लिए महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना से समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार की महिलाएं लाभान्वित होकर आर्थिक रूप से सशक्त बन रही है। योजनांतर्गत महिलाओं के बैंक खाते में प्रतिमाह राशि सीधे अंतरित होने से यह उनके विपरीत परिस्थितियों का सहारा बन गया है। योजना से लाभान्वित हुई कोरबा के दादर खुर्द की रहने वाली श्रीमती पूर्णिमा द्विवेदी ने राज्य सरकार की इस कल्याणकारी योजना की सराहना करते हुए कहा कि समाज के मध्यम व निम्न वर्ग के परिवार के महिलाओं के लिए यह योजना आर्थिक संबलता का आधार बन गया है। महिलाएं इस योजना से मिलने वाली राशि के उपयोग से आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। योजना से महिलाएं निजी जरूरतों, घरेलू आवश्यकताओं व दैनिक उपयोग की चीजों की खरीदी एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम हुई है। पूर्णिमा ने बताया कि उनके पति श्री कुंज बिहारी द्विवेदी गांव के ही मंदिर में पुजारी है। उनके परिवार में उनके पति सहित दो छोटे बच्चे है। हितग्राही ने बताया कि वह एक गृहिणी है और उन्हें पिछले 4 माह से योजना के तहत राशि प्राप्त हो रही है। जिसका उपयोग वे घरेलू खर्चो में करती है। योजना लागू होने के पूर्व उन्हें अपनी घरेलू आवश्यकताओ की पूर्ति के लिए अपने पति पर निर्भर रहना पड़ता था। अब प्रत्येक माह इस योजना की राशि उनके खाते में जमा होने से अब उन्हें छोटी छोटी जरूरतों का प्रबंध करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो रही है। योजना से मिल रही राशि से वह अपने दोनों बच्चों के लिए पौष्टिक खाद्य पदार्थों का प्रबंध भी कर पा रही हैं। साथ ही भविष्य की जरूरतों के लिए बचत भी कर रही है। श्रीमती पूर्णिमा ने कहा कि राज्य सरकार ने इस योजना को लागू कर महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सक्षम बनाने का कार्य किया है, इससे महिलाओं में आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास की एक नई उमंग का संचार हुआ है। महिलाओं को आर्थिक संबलता प्रदान कर उन्हे आत्मनिर्भर बनाने हेतु पूर्णिमा ने प्रदेश सरकार के मुखिया श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सहृदय धन्यवाद दिया है।

संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में कोरिया का शानदार प्रदर्शन

आफरीन,याशिका,अंशा,मृगांक,श्रेयांश दीपांकर,अशोक सिंह,उदित नारायण ने जीता ट्राफी

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में खेल एवं युवक कल्याण विभाग के तत्वावधान में शतरंज संघ सरगुजा के द्वारा 22 से 23 जून तक आयोजित संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता जो कि गांधी इंडोर स्टेडियम अम्बिकापुर में आयोजित किया गया उक्त प्रतिभागिता में लगभग 300 से ज़्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया ,यह स्पर्धा 4 वर्गो में सीनियर वर्ग अंडर 19,अंडर 15,अंडर 09 में सम्पन्न हुआ, इस प्रतियोगिता में कोरिया ज़िला के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन पुरस्कार प्राप्त किया ,अंडर 15 बालिका वर्ग में बैकुण्ठपुर की आफरीन ने चैंपियनशिप अपने नाम किया वही बाल खिलाड़ी याशिका ने 9 वर्ष से कम उम्र की लड़कियां की स्पर्धा में पहला स्थान अर्जित किया सीनियर वर्ग में दीपांकर सेन गुप्ता,उदित नारायण चक्रधारी को क्रमशः तीसरा एवम चतुर्थ स्थान प्राप्त किया अंडर 15 की बालक वर्ग की स्पर्धा में श्रेयांश मिश्रा को संभाग में तीसरा स्थान मिला अंडर 9 में विवेक कुमार साहू को पांचवा स्थान वही बाल प्रतियोगिता में सबसे छोटे उम्र के बाल खिलाड़ी 6 वर्ष के मृगांक शर्मा एवं लड़कियों में 6 वर्ष की अंशा फातिमा ने अपने कुशल प्रदर्शन से सबका दिल जीत पुरस्कार पाने में सफलता प्राप्त किया,ज़िले के ईशान अहमद, फरहीन खान,सैम राजवाड़े, युवराज,सुरेंद्र,सूरज,पूजा,अनीश रज़ा,देबनाथ,रितेश,राहुल,पिंसु, भोला, शिवहरी, शौर्य यादव, अंश राज, अभिनव साहू, तनिष्का घोष, पूर्णभा, शरद खलखो,अज्वद खान, आहिल,आमिल का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा,इस अवसर पर कोरिया ज़िला शतरंज संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बताया कि हमारे ज़िले में प्रतिभा की कोई कमी नही उन्होंने कहा कि हमारे ज़िले में 6 वर्ष के बाल खिलाड़ियों का खेल प्रति रुझान जिले के लिए अच्छे संकेत है हमारी पूरी कोशिश रहेगी की राष्ट्रीय मानचित्र में कोरिया को इन होनहार खिलाड़ियों के माध्यम से स्थापित करे,कोरिया ज़िला शतरंज संघ के अब्दुल शमीम, आशीष गुप्ता, रूप नारायण पाण्डेय, डॉ विजय जांगड़े, डॉ गौरवकान्त बड़ेरिया, शिवहरी, अजय गुप्ता आनंद तिवारी, पुष्पेंद्र सिंह, योगेश गुप्ता, संवर्त कुमार रूप, अंजुम, शगुफ्ता खानम, ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल से पहले पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा पर की बड़ी कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरिया/रायपुर,28 जून 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रविंद्र कुमार मीना एवं कोरबा पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों,थाना प्रभारियों सहित प्रभारी सायबर सेल को सीजन में क्रिकेट मैच के दौरान सट्टा खेलने/खिलाने वालों एवं इस कारोबार में संलिप्त लोगों की पतासाजी कर आवश्यक कार्यवाही करने के साथ ही क्रिकेट सट्टा के कारोबार पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी कड़ी में चौकी रजगामार थाना बालको के अपराध क्रमांक 338/24 धारा छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7,8 एवं 66 (सी) आई.टी. एक्ट के प्रकरण में सायबर सेल तथा चौकी रजगामार पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सूचना मिली कि रजगामार निवासी अर्पित अग्रवाल, आदित्य चौहान नामक व्यक्ति ऑनलाइन सट्टा अपने साथियों के जरिए खिला रहा है। पुलिस टीम के द्वारा उक्त स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी कर दबिस दिए जाने पर अर्पित अग्रवाल घर पर नहीं मिला तब आदित्य चौहान के बारें मे पतासाजी करने पर सूचना मिली की वह अपने घर पोड़ी बहार में है,तत्काल उक्त बताते गए स्थान पर घेराबंदी कर उसके घर के पास आदित्य चौहान को पकड़ा गया । जिससे पूछताछ करने पर अपना नाम आदित्य चौहान पिता विजय सिंह चौहान उम्र 22 वर्ष साकिन पोड़ीबहार का निवासी बताया, जिसे ऑन लाईन सट्टा खिलाने के संबंध में पूछताछ किया गया । उसके निशानदेही पर कोरबा पुलिस टीम द्वारा बताए गए स्थान अम्बिकापुर गांधी चौक वसुंधरा सिटी के पास जाकर पुलिस टीम के उक्त स्थान पर दबिस देकर 04 लोगो को ऑनलाइन पेनल चलाते हुए पकड़ा गया। सटोरियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर उनके द्वारा क्रिकेट मैच के दौरान कृष्णा बुक जेट बुक तथा ऑल बुक पैनल के माध्यम से ऑन लाईन सट्टा का संचालन स्वीकार किया । जिस पर सभी 05 सटोरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लैपटॉप 02 नग एवं मोबाईल फोन 21 नग 02 नग मोटर सायकल बुलेट सीजी 15 डीबी 3142 एवं हीरो ग्लेमर सीजी 16 सीजी 1726 जुमला कीमती लगभग 6,60,000/- रूपये जप्त किया गया। सटोरियों के 37 नग विभिन्न बैंकों के चेक एवं 72 नग ए.टी.एम. कार्ड 09 पासबुक एवं 26 नग सिम जप्त कर साइबर सेल के द्वारा उसमें जांच किया जा रहा है । जांच मे अब तक अलग-अलग बैंकों के कुल 85 खातों की जानकारी मिली है। जिनको होल्ड/फ्रिज कराया जा रहा है। उन बैंक खातों मे लगभग 05 करोड़ से अधिक का लेनदेन होना पाया गया है एवं इसमें आगे भी विवेचना जारी है। प्राप्त बैंक खातों को साइबर सेल के माध्यम से डेबिट फ्रिज कराया गया जिन बैंक खातों मे लगभग 07 लाख रूपये होल्ड कराया गया है साथ ही सटोरियों के विरूद्ध चौकी रजगामार थाना बालको में अपराध 338/24 छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 07,08 एवं 66 (सी) आई.टी. एक्ट का अपराध जाकर विवेचना की जा रहीं है। उक्त मामले गिरफ्तार किए गए आरोपी है 01 आदित्य सिंह चौहान पिता विजय सिंह चौहान उम्र 22 वर्ष साकिन पोडी बहार नीचे मोहल्ला जिला कोरबा 02 साहिल दास पिता चद्रिका दास उम्र 21 वर्ष साकिन प्रेमनगर रजगामार चौकी रजगामार जिला कोरबा 03 सुनील सिंह पिता मंगल सिंह उम्र 19 वर्ष साकिन रजगामार सरस्वती चौक चौकी रजगामार जिला कोरबा 04 अमन जायसवाल पिता विजेद्र जायसावाल उम्र 22 वर्ष साकिन सोनहत ग्राम भैसवार जिला कोरिया 05 विवेक सिंह पिता प्रदीप सिंह उम्र 21 वर्ष साकिन रजगामार गायत्री नगर नेहरू चौक चौकी रजगामार जिला कोरबा शामिल है । पुलिस द्वारा इतनी बड़ी कार्यवाही में नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रविंद्र कुमार मीना (भापुसे.) चौकी प्रभारी रजगामार उनि. महा सिंह, सउनि. राकेश सिंह आर. अजय महिलांगे, सायबर सेल से प्रभारी सउनि. अजय सोनवानी, प्र.आर. गुनाराम सिन्हा, चंद्रशेखर पांडे, राजेश कुमार, आर. प्रशांत सिंह, विरकेश्वर प्रताप सिंह, डेमन ओगरे, रितेश शर्मा आलोक टोप्पो, सुशील यादव, म.आर. रेनू टोप्पो की अहम भूमिका रहीं।

आम सूचना

मैं रंजीत सोनी आ.अनिरूद्ध सोनी,आयु 49 वर्ष ,निवासी- वार्ड क्र.03,गांधी विद्यापीठ रोड थाना- गांधीनगर, तहसील अंबिकापुर, जिला-सरगुजा छ.ग.,एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे द्वारा राकेश कुमार तिवारी आ.ललन तिवारी आयु.35वर्ष ,निवासी- डी.सी.रोड, आर.के. अम्बष्ट के मकान में आजाक थाना के सामने ,थाना व तहसील अंबिकापुर ,जिला-सरगुजा छ.ग. के साथ दिनांक 22/07/2023 को साझेदारी करते हुये ग्राम-अजिरमा में खसरा नं0 459 पर पशु आहार संयंत्र स्थापित किया गया था। उक्त साझेदारी को मेरे द्वारा 30 जनवरी 2024 को समाप्त कर दिया गया हैं तथा उपरोक्त भूखण्ड पर अपना निजी व्यवसाय संचालित किया जा रहा हैं।

आम जनता से अनुरोध है कि मेरे उक्त साझेदारी से संदर्भ में द्वितीय पक्ष से किसी प्रकार का लेन-देन न करें किसी भी प्रकार की लेन-देन किये जाने पर होने पर वाले नुकसान के लिये उक्त पक्ष स्वयं उत्तरदायी होगा।

रंजित सोनी
आ. अनिरूद्ध सोनी

संक्षिप्त खेल समाचार

साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्मृति मंधाना-शेफाली वर्मा ने ठोका शतक

नई दिल्ली, 28 जून 2024। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच में सेंचुरी जड़ दी है। कुछ ही गेंद के अंदर इन दोनों खिलाड़ियों ने अपना शतक जड़ दिया। एक समय लग रहा था कि मंधाना पहले शतक पूरा करेगी लेकिन शेफाली ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के दम पर पहले शतक पूरा किया। उन्होंने 113 गेंद 15 चौके और दो छक्के की मदद से अपना शतक पूरा किया। बता दें कि, शेफाली का टेस्ट में ये पहला शतक है, जबकि स्मृति मंधाना ने अपनी पारी में 19 चौकों की मदद से 122 गेंद में सेंचुरी पूरी की।

पिछले चार इंटरनेशनल मैच में स्मृति मंधाना का ये तीसरा शतक है। इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान उन्होंने दो शतक लगाए थे। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ 167 रनों की ओपनिंग साझेदारी का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

शुक्रवार को चेन्नई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दौरान स्मृति और शेफाली ने महिला टेस्ट में सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड बनाया। इस जोड़ी ने पाकिस्तान की किरण बलूच और साजिदा शाह का 2004 में बना 241 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

शेफाली वर्मा ने रचा इतिहास

भारत के लिए डबल सेंचुरी लगाने वाली दूसरी बल्लेबाज

नई दिल्ली, 28 जून 2024। भारत का मुकाबला साउथ अफ्रीका से तो टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में 29 जून को होगा, लेकिन इस बीच भारतीय और साउथ अफ्रीकी महिला टीम के बीच भी टेस्ट मुकाबला शुरू हो गया है। सीरीज का मैच आज से चेन्नई में शुरू हो गया है। इस बीच भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने इतिहास रचने का काम किया है। टेस्ट क्रिकेट में आज से पहले केवल एक ही भारतीय बल्लेबाज ने दोहरा शतक जमाया था, लेकिन अब इस लिस्ट में शेफाली का नाम भी जुड़ गया है।

इंग्लैंड को धूल चटाकर भारत पहुंचा फाईनल में

- आज फाईनल में द.अफ्रीका के साथ होगी भिड़ंत
- 10 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में इंडिया
- कुलदीप-अक्षर ने इंग्लैंड को ऑलआउट किया
- 2022 में हुई हार का बदला चुकाया...

गुयाना,28 जून 2024। इंडिया ने इंग्लैंड को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में जगह बना ली है। जीत एकतरफा हासिल की। कप्तान रोहित शर्मा ने रन बनाए। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने इंग्लैंड को ऑलआउट कर दिया। भारत 29 जून को रात 8 बजे द. अफ्रीका से भिड़ेगा। अफ्रीका पहली बार किसी वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा है।

गयाना की जिस पिच पर इंग्लिश बल्लेबाजी 103 रन पर सिमट गई, उस पिच पर रोहित की बल्लेबाजी का कॉन्फिडेंस सूर्यकुमार से कही गई एक बात से झलकता है। लियम लिविंगस्टन बॉलिंग कर रहे थे। रोहित ने सूर्या से कहा- ऊपर डालेगा तो देता हूं ना। यानी गेंद ऊपर फेंकने दो और मैं बड़ा शॉट खेलूंगा। अगली ही गेंद पर रोहित ने लिविंगस्टन को सिक्स लगाया।

रोहित-सूर्या के बाद बचा हुआ काम पूरा किया कुलदीप, अक्षर और बुमराह की गेंदबाजी ने। बटलर, बेयरस्टो और ब्रुक जैसे बल्लेबाज फिरकी में उलझ गए। सॉल्ट जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को बुमराह ने स्लोअर पर आउट कर दिया।

इंडिया अब कल बारबाडोस में साउथ अफ्रीका से खिताबी मुकाबला खेलेगी, जो पहली बार किसी वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंची है। इंडिया 2007 में खिताब जीत चुकी है और 2014 का फाइनल हारी थी।

मैच की 2 अहम बातें...

इस वर्ल्ड कप में इंडिया ने अपने सभी मैच (सात जीते और एक रद्द) जीते हैं और फाइनल पहुंची। दूसरी ओर साउथ अफ्रीका भी अपने सभी आठ मैच जीतकर खिताबी मुकाबले में आई।

रोहित शर्मा सेमीफाइनल मुकाबले में जीत के बाद (49 जीत) दुनिया के सबसे सफल टी-20 कप्तान बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के बाबर आजम (48 जीत) को पीछे छोड़ा।

मैन ऑफ द मैच-अक्षर पटेल

अक्षर बल्लेबाजी करने आए तो 6 गेंदों पर 10 रन की पारी खेली। एक सिक्स लगाया। पारी सिर्फ 10 रनों की थी, लेकिन इंग्लैंड पर दबाव बनाने के लिए जरूरी टोटल मिल गया।

अक्षर ने 4 ओवर किए, 23 रन दिए और 3 विकेट लिए। अक्षर के चारों ओवर में विकेट गिरे। पहले ओवर की पहली ही गेंद पर इंग्लिश कप्तान जोस बटलर का विकेट लिया। दूसरे ओवर में जॉनी बेयरस्टो का विकेट लिया और तीसरे में मोईन अली का। चौथे ओवर में कुलदीप के साथ मिलकर लियाम लिविंगस्टोन को रनआउट किया।

इंडिया की जीत के दूसरे हीरोज

रोहित शर्मा: इंडियन कैप्टन ने 57 रन बनाए। 4 चौके और 2 सिक्स जड़े। रोहित ने 39 गेंदों पर 146 के स्ट्राइक रेट से यह पारी खेली। इंग्लैंड के गेंदबाजों को हावी नहीं होने दिया और रनरेट कम नहीं होने दिया।

सूर्यकुमार यादव: सूर्या ने 47 रन की पारी खेली। 4 चौके और 2 सिक्स लगाए। रोहित के बाद टीम इंडिया की ओर से सबसे ज्यादा रन सूर्या ने ही बनाए।

कुलदीप यादव: चाइनामैन स्पिनर कुलदीप ने 4 ओवर में सिर्फ 19 रन दिए। साथ ही हैरी ब्रूक, सैम करन और क्रिस जॉर्डन को पवेलियन भेजा।

जसप्रीत बुमराह: इंडियन पेसर ने 2. 4 ओवर फेंके। 12 रन दिए यानी हर ओवर में साढ़े चार रन। 2 विकेट लिए। ओपनर फिल सॉल्ट और इंग्लैंड की तरफ से सिक्स लगाने वाले इकलौते बैटर जोफ्रा आर्चर को पवेलियन भेजा।

इंडिया की जीत की 2 वजहें

रोहित-सूर्या की पार्टनरशिप

विराट कोहली सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हो गए थे। पावरप्ले में ही ऋषभ पंत भी सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद रोहित और सूर्यकुमार ने 50 गेंदों पर 73 रन की पारी खेलकर भारत को लड़ने लायक टोटल तक पहुंचा दिया। ये इंडिया की तरफ से सबसे बड़ी साझेदारी थी।

स्पिनर्स ने इंग्लैंड को उलझाया

इंग्लैंड ने 2 स्पिनर्स इस्तेमाल किए, लियाम लिविंगस्टन और आदिल रशीद। रशीद ने 2 विकेट लिए। भारत ने तीन स्पिनर्स इस्तेमाल किए। अक्षर, जडेजा, कुलदीप। अक्षर और कुलदीप ने 6 इंग्लिश बल्लेबाजों को आउट किया। सिर्फ 42 रन दिए, यानी हर ओवर में औसत 5 रन।

टर्निंग पॉइंट

जोस बटलर का विकेट: इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने 15 गेंदों पर 23 रन की पारी खेली। 4 चौके लगाए। बटलर को अक्षर ने आउट कर दिया। इसी विकेट से इंग्लैंड मुश्किल में आ गई। बटलर ने 2022 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंडिया के खिलाफ नाबाद 80 रन की पारी खेली थी। इंडिया ये मैच हार गया था।

फाइटर ऑफ द मैच

हैरी ब्रूक इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज ने 25 रन की पारी खेली। 13 गेंदों पर 3 चौके लगाकर ये रन बनाए। जब तक क्रीज पर थे, तब तक लग रहा था कि इंग्लैंड टारगटे के करीब पहुंच सकता है। उनका विकेट कुलदीप यादव ने लिया।

मैन ऑफ द मैच: अक्षर पटेल ने कहा कि विकेट मदद कर रहा था इसलिए गेंद में ज्यादा पेस देने की कोशिश नहीं की। हमारे बल्लेबाजों ने बता दिया था कि इस विकेट पर हिट करना मुश्किल है।

विजेता कप्तान: रोहित शर्मा ने कहा कि इस जीत से बहुत संतुष्ट हूं। सभी ने बहुत अच्छा काम किया। मुश्किल स्थितियों में हम अच्छा खेले। गेंदबाजों ने शानदार बॉलिंग की। हम विराट के बारे में जानते हैं। जब आप 15 साल से खेल रहे हों तो फॉर्म मायने नहीं रखते। हो सकता है उन्होंने फाइनल के लिए बचाकर रखा हो। हम अच्छा खेल रहे हैं, फाइनल में अपना बेस्ट देंगे।

हारने वाले कप्तान: जोस बटलर ने कहा कि हमने 20-25 रन ज्यादा दे दिए। क्रेडिट इंडिया को जाता है, वो जीत की हकदार है। उनके पास शानदार गेंदबाज हैं। मुश्किल पिच पर उनके पास पर्याप्त टोटल था। इस टूर्नामेंट में टीम के हर मेंबर की परफॉर्मेंस पर गर्व है।

प्लेइंग-11

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान और विकेटकीपर), फिल सॉल्ट, मोइन अली, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम करन, लियम लिविंगस्टन, आदिल रशीद, जोफ्रा आर्चर, रीस टॉप्ली, क्रिस जॉर्डन।

राजावत,मालविका क्वॉर्टर फाइनल में,गायत्री-ट्रीसा भी आगे बढ़ीं

न्यूयॉर्क, 28 जून 2024। भारत के प्रियांशु राजावत ने यहां यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में चीनी ताइपे के हुआंग यू काई पर सीधे गेम में जीत के साथ पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है।आठवीं वरीयता प्राप्त राजावत,जिन्होंने 2023 में ऑरलियन्स मास्टर्स जीता था, ने हुआंग पर 21-18 21-16 से जीत दर्ज की और अब उनका सामना चीन की चौथी वरीयता प्राप्त लेई लैन शी से होगा।राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भी दूसरे दौर में चीनी ताइपे की हसीह पेई शान और हंग एन-त्जु पर 16-21 21-11 21-19 से जीत के साथ महिला युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। दूसरे वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी, जिसे शुरुआती दौर में बाई मिली थी, अब छठी वरीयता प्राप्त जापानी रुई हिरोकामी और यूना काटो से भिड़ेगी। सातवीं वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड़ भी अंतिम आठ में पहुंच गई हैं। उन्होंने महिला एकल मैच में चेक गणराज्य की टेरेज़ा स्वाबिकोवा को 15-21, 21-19, 21-14 से हराया। मालविका को स्कॉटलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त क्रिस्टी गिलमोर के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

हेयर स्टाइलिस्ट नंदा ने लगाया गंभीर आरोप

उर्मिला मातोंडकर ने रुलाया तो तपती गर्मी में अमला पॉल ने वैनिटी से निकाल दिया

उर्मिला मातोंडकर को जब रंगीला में कास्ट किया गया था, तब वह स्टार नहीं बनी थीं। तब तक वह कुछ सालों तक चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में काम कर चुकी थीं और उन्होंने बड़ी होने पर भी कुछ फिल्मों में काम किया था, लेकिन राम गोपाल वर्मा की रंगीला के बाद ही उर्मिला को पहचान मिली थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में,एक हेयर स्टाइलिस्ट जिसने उनके साथ काम किया है,उसने रंगीला के दौरान के अपने अनुभव के बारे में बात की। हेयर स्टाइलिस्ट नंदा ने बॉलीवुड नाउ के साथ बातचीत में एक घटना को याद किया जब उर्मिला ने उन्हें रुला दिया था।

नंदा ने बताया कि उन्होंने बोरीवली नेशनल पार्क में रंगीला के फोटोशूट के लिए उर्मिला के साथ काम किया था। नंदा ने बताया कि वह उन दिनों मारिया नाम की एक अन्य हेयर स्टाइलिस्ट की सहायता करती थीं। मगर आज पर खुद का काम कर रही हैं। उन्होंने याद करते हुए बताया, उर्मिला ने पूछा मारिया कहां है? मैंने कहा दीदी शूट के लिए गई हैं। उन्हें तुरंत जाना था। तो उन्होंने पूछा क्या यह शूट नहीं हो रहा है? क्या ये काम नहीं है? तो मैंने कहा मुझे कुछ नहीं पता। दीदी ने मुझे भेजा है।

उर्मिला मांतोडकर के बारे में डेयर स्टाइलिस्ट का खुलासा

नंदा ने याद किया कि जब उन्होंने उर्मिला के बालों पर काम करना शुरू किया, तो एक्ट्रेस ने उनकी गलतियों को गिनाना शुरू कर दिया कि हेयर स्टाइलिस्ट आखिरकार रोने लगी। वह लगातार गलतियां बताती रहती थीं क्योंकि वह मारिया के साथ काम करना चाहती थीं। वह मुझे असिस्टेंट के रूप में काम करने दे सकती थीं लेकिन उन्हें यह पसंद नहीं था कि मैं उनके बालों पर अकेले काम करूं। मैं बस आंखों से आँसू बहाते हुए खड़ी रहती थी, लेकिन मैं उनके सामने कभी नहीं रोई। वह केवल मारिया के साथ काम करना चाहती थी।

अमाला पॉल के बारे में भी सुनाया किस्सा

उन्होंने आगे अमाला पॉल के बारे में भी बताया,एक बार मैं चेन्नई में अमाला पॉल के साथ शूट पर गई थी। मैं उन्हें सीधे तौर पर नहीं जानती थी, मैं अपने एक दोस्त के जरिए गई थी। जब हम अप्रैल या मई के आसपास शूट के लिए गए थे,तब काफी गर्मी थी। बहुत गर्मी थी और लोकेशन पर छाया के लिए एक भी पेड़ नहीं था,इसलिए हम वैनिटी वैन के अंदर चले गए। वैन में दो हिस्से हैं, एक जहाँ कलाकार बैठते हैं और दूसरा जहाँ टेक्नीशियन होते हैं। इसलिए जब हम अंदर आकर बैठे, तो अमाला ने अपने मैनेजर से कहा कि वह हमें बाहर जाने के लिए कहे। एक्ट्रेस ने मैनेजर के जरिए कहा- उन्हें बताएं कि उन्हें वैनिटी वैन में बैठने की अनुमति नहीं है। इसलिए जब मैनेजर ने हमें यह बताया, तो मेकअप मैन और मैं एक-दूसरे के चेहरे को देखने लगे। हम सोच रहे थे कि इतने गर्म मौसम में हम कहां जाएं? फिर भी, हमें वैन से बाहर निकलना पड़ा।

लास्ट बेंच पर बैठी जिस लड़की को दे बैठे दिल,वो निकली खलनायक प्रेम चोपड़ा की बेटी

एक्टर शरमन जोशी को किसी परिचय की जरूरत नहीं है क्योंकि वह बॉलीवुड के सबसे टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं। गोलमाल, रंग दे बसंती और 3 इडियट्स जैसी फिल्मों में काम के साथ, शरमन ने एक्टिंग में अपनी योग्यता साबित की है। मराठी परिवार में जन्मे शरमन 28 जून को अपना बर्थडे मना रहे हैं। उनके बारे में हम कुछ मजेदार खुलासे करने जा रहे हैं। उनके पिता अरविंद जोशी जाने-माने गुजराती थिएटर आर्टिस्ट हैं। उनकी बहन मानसी जोशी एक लोकप्रिय टीवी और फिल्म एक्ट्रेस हैं और उनके जीजा रोहित रॉय भी एक फेमस एक्टर हैं।

प्रेरणा को देखते ही हुआ प्यार

शरमन ने बॉलीवुड के मशहूर विलन प्रेम चोपड़ा की बेटी प्रेरणा चोपड़ा से शादी की है। शरमन और प्रेरणा की प्यार की कहानी किसी बॉलीवुड फिल्म से कम नहीं है और आपका दिल जरूर पिघला देगी। आइए एक नजर डालते हैं उनकी खूबसूरत प्रेम कहानी पर।शरमन और प्रेरणा पहली बार एक-दूसरे से तब मिले थे जब वे कॉलेज में थे। उन्होंने एक इमोशन महसूस किया और उन्हें प्यार हो गया। वे तुरंत दोस्त बन गए और समय के साथ उनका रिश्ता बढ़ता गया। जिस चीज ने शरमन को प्रेरणा की ओर आकर्षित किया था, वह थी उसकी विनम्रता। बॉलीवुड के सबसे बड़े विलन में से एक की बेटी होने के बावजूद, प्रेरणा ने कभी भी फेम को हावी नहीं होने दिया।

शरमन जोशी ने 2000 में अपनी कॉलेज की गर्लफ्रेंड प्रेरणा चोपड़ा से शादी की। लेकिन शादी से पहले शरमन डर गए थे कि प्रेम चोपड़ा इस पर कैसे रिएक्ट करेंगे।

शरमन एक मंझे हुए कलाकार थे और थिएटर में अच्छी तरह से रचे-बसे थे, उसी वक्त प्रेरणा के साथ उनका रिश्ता शादी की ओर बढ़ा।

देखते ही दे बैठे दिल

पॉडकास्ट टाइमआउट विद अंकित के दौरान, शरमन ने अपने कॉलेज के पहले दिन प्रेरणा को नोटिस करते हुए कहा, जब मैंने उसे पहली बार देखा, तो मैंने अपने दोस्त से पूछा कि आखिरी बेंच पर बैठी यह लड़की कौन है?

माधुरी दीक्षित ने उस पाकिस्तानी से मिलाया हाथ जिसे भारत ने किया है ब्लैकलिस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित को ह्यूस्टन स्थित पाकिस्तानी मूल के प्रमोटर रेहान सिद्दीकी के साथ सहयोग करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कथित तौर पर आईएसआई से संबंध हैं और भारत सरकार ने उसे ब्लैक लिस्ट में डाल दिया है।

शुक्रवार को सुनंदा वशिष्ठ ने माधुरी और रेहान के इवेंट के पोस्टर की एक तस्वीर शेयर की, जो ह्यूस्टन, टेक्सास में स्वतंत्रता दिवस के ठीक एक दिन बाद अगस्त 2024 में होगा।ट्विटर पर उन्होंने रेहान के साथ मिलकर काम करने के लिए माधुरी दीक्षित की आलोचना की और एक्ट्रेस से इसे नहीं करने का निवेदन किया। उन्होंने भाजपा मंत्री किशन रेड्डी का चार साल पुराना लेटर भी शेयर किया। इसमें में कहा गया है कि रेहान को भारत सरकार ने ब्लैकलिस्ट कर दिया है।

माधुरी दीक्षित को मिल रही नफरत

सुनंदा ने लिखा, यह देखकर हैरान हूं कि ञमाधुरी दीक्षित ने पाकिस्तानी मूल के प्रमोटर के साथ सहयोग किया है, जो भारतीय एजेंसियों के रडार पर है और भारत सरकार ने उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया है। गृह राज्यमंत्री के रूप में मंत्री किशनरेड्डीबीजेपी ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि ह्यूस्टन स्थित पाकिस्तानी मूल के प्रमोटर रेहान सिद्दीकी को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है और उन्होंने बॉलीवुड हस्तियों से उनके साथ काम न करने का अनुरोध किया है।उन्होंने आगे कहा, क्या उनके पास पाकिस्तानी मूल के प्रमोटर के साथ काम करने का कोई अच्छा कारण है, जिस पर आईएसआई से संबंध रखने का आरोप है और जिसे भारत सरकार ने ब्लैकलिस्ट कर दिया है? क्या माधुरी दीक्षित के दोस्त, परिवार और फैंस उन्हें इस आदमी के इतिहास के बारे में बता सकते हैं। और उन्हें मना करें? यह हमारे सुरक्षा बलों और उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं के लिए बहुत हतोत्साहित करने वाला है जिन्होंने भारतीय सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए अपना जीवन लगा दिया है। मुझे उम्मीद है कि माधुरी दीक्षित को इसे नहीं करने की समझ होगी।

हर कोई कर रहा थू-थू

पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए एक यूजर ने लिखा, माना कि फिल्मों से कोई पैसा नहीं है, लेकिन रियलिटी शो की कमाई पर्याप्त नहीं है...पति डॉक्टर...ऐसा लगता है कि रोजमर्रा के खर्चों के लिए सब कम पड़ रहा है। एक ने लिखा, माधुरी दीक्षित ने सच में निराश किया है। मुझे लगता है कि बॉलीवुड के लोग भरोसे के लायक नहीं हैं, लेकिन मेरे मन में उनके लिए सम्मान था। मैं अब इस बात से काफी आश्वस्त हूं कि वे सभी एक जैसे हैं।

अमिताभ बच्चन ने कल्कि 2898 एडी में छुड़ा दिए प्रभास के छक्के

सब कुछ तो ठीक, मगर रास नहीं आया ये अर्जुन

कल्कि 2898 एडी, करीब तीन घंटे की फिल्म। पांच भाषाओं में 27 जून को थिएटर्स में आई इस मूवी ने देशभर में 95 करोड़ और वर्ल्ड वाइड 180 करोड़ का कलेक्शन किया। नाग अश्विन की डायरेक्टेड मूवी में प्रभास और दीपिका पादुकोण के अलावा अमिताभ बच्चन और कमल हासन भी अहम भूमिका में नजर आए। इस फिल्म की कहानी ऐसी थी, जिसे हम देखने के लिए धरती पर जिंदा भी नहीं होंगे। मतलब 6000 साल बाद होने वाली घटना को दिखाया गया है। जब कल्कि भगवान का जन्म होगा। अगर आपने देखी होगी तो आपका एक अलग नजरिया होगा। मगर मेरे ख्याल से इसे प्रभास की फिल्म तो नहीं ही बोलना चाहिए। क्योंकि 81 साल के अमिताभ बच्चन ने जो कमाल किया है, उसे देखकर तो मेरे रोंगटे खड़े हो गए।

फिल्म के शुरू होने पर लगता है कि क्या ही दिखा रहे हैं। इंटरवेल के पहले तक तो ऐसा लगता है कि बस कुछ है, जो चल रहा है और हम देखने के लिए देख रहे हैं क्योंकि इस मूवी का हाइप बहुत तगड़ा क्रिएट किया गया था। लेकिन उसके बाद के हिस्से में जो देखने को मिला, उससे तो मुंह खुला का खुला ही रह गया। फिल्म में कुछेक कास्टिंग ऐसी लगती है कि जबरन कर ली गई है। जिसकी जरूरत ही नहीं थी। खासकर विजय देवरकोंडा, जिन्हें अर्जुन बनाकर पर्दे पर उतारा गया। उन्हें देखकर महसूस हुआ जैसे कड़वा बादाम मुंह में आ गया और पूरा मन खराब हो गया। वहीं, दिशा पाटनी भी कुछ समय के लिए स्क्रीन पर दिखती तो जरूर हैं, मगर उनका भी होना फिजूल का ही लगता है।

अमिताभ बच्चन को देख तो मजा ही आ गया

प्रभास और अमिताभ बच्चन की उम्र में काफी फासला है। मगर फिर भी बिग बी ने बाहुबली को धूल चटा दी। प्रभास ने अपने करियर में सिर्फ रायता ही फैलाया है। एसएस राजामौली के बदौलत उन्हें पहली हिट फिल्म मिली और उसके बाद सभी फ्लॉप हुई। फिर सालार आई तो इनकी डूबी हुई नैया पार लगी। अब ये कल्कि 2898 एडी भी सफल होगी। मगर ये अकेले उनकी बदौलत नहीं होगा। अमिताभ बच्चन की जो स्क्रीन पर प्रेजेंस रही, उसे देखकर तो मजा ही आ गया। ऐसा लगा कि एंग्री यंग मैन वाला दौर आ गया है। 70-80 के दशक के अमिताभ लौट आए हैं। जो एक्शन सीन्स किए। फाइट सीन्स किए। वाह। छा गए गुरू।

नाग अश्विन को करना चाहिए था थोड़ा और काम

दीपिका पादुकोण को देखकर कोई अलग फीलिंग नहीं आई। चेहरे के भाव भी नहीं बदले क्योंकि वह जैसे असल जिंदगी में दिखती हैं। वैसे ही इसमें भी नजर आईं। उनके पेट में कल्कि भगवान पल रहे हैं, जिनका जन्म दूसरे पार्ट में हो सकता है, जो पता नहीं किस जमाने में आएगी। मगर अमिताभ बच्चन ने हर किसी को दबा दिया। कमल हासन का भी किरदार अच्छा लगा लेकिन उन्हें बहुत कम ही दिखाया गया। वह पार्ट-2 में शायद लंबे समय दिखाई देंगे। कुल मिलाकर नाग अश्विन ने जो कैमियो का मेला लगाया, वो नहीं लगाना चाहिए था। दूसरा प्रभास के डायलॉग्स पर थोड़ा और काम करना चाहिए था।

विभागीय जांच में बरती जा रही लापरवाही

» बढ़ रहा शासन पर बोझ...

» जीएडी जारी किया सख्त आदेश...

रायपुर,28 जून 2024(ए)। सामान्य प्रशासन विभाग ने विभागीय जांच के प्रकरणों को बिना किसी कारण अनावश्यक रूप से लंबे समय तक लंबित रखने और ढिलाई बरतने को लेकर नाराजगी जाहिर की है।

इसी के साथ ही सामान्य प्रशासन विभाग ने गुरुवार को एक परिपत्र जारी कर विभिन्न विभागों में अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ चल रही विभागीय जांच को एक साल के भीतर अनिवार्य रूप से पूरा करने का निर्देश जारी किया है।

इतना ही नहीं जीएडी ने सभी विभागों के सचिवों को निर्देश दिया है कि वे समय-समय पर विभागीय जांच के प्रकरणों की समीक्षा करें और जिम्मेदार अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित करें।

जीएडी सचिव मुकेश कुमार बंसल के हस्ताक्षर से जारी यह परिपत्र सभी एसीएस,प्रमुख सचिव,सचिव और विशेष सचिव को भेजा गया है। इसमें स्पष्ट लिखा गया है कि विभागीय जांच के प्रकरणों को एक वर्ष के अंदर पूरा करना आवश्यक है,लेकिन कई विभागों द्वारा विभागीय जांच की कार्यवाही एक वर्ष की समयावधि में पूरी नहीं की जा रही है।

बढ़ता है आर्थिक बोझ

दरअसल जांच की अवधि के दौरान आरोपी शासकीय सेवक कई वर्षों तक निलंबन में रहते हैं। विभागीय जांच समाप्ति के बाद उन्हें निलंबन से बहाल किया जाता है। यदि आरोपी विभागीय जांच में निर्दोष घोषित होता है तो शासन को उसके निलंबन काल का पूरा वेतन व भत्ता भी देना पड़ता है। परिपत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इस प्रकार विभागीय जांच प्रकरणों में बरती जा रही ढिलाई के कारण शासन को अनावश्यक रूप से भारी राशि का भुगतान करना पड़ता है। जबकि निलंबन होने से उक्त शासकीय सेवक निलंबन अवधि में कोई कार्य संपादित नहीं करता है।

इसके अलावा पत्र में यह भी लिखा गया है कि विभिन्न विभागों द्वारा बिना किसी कारण के अनावश्यक रूप से लंबे समय तक प्रकरण को लंबित रखते हैं जिसके कारण शासकीय सेवकों को भी कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है।

ऐसे में जीएडी ने एक साल की समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही किए जाने की बात कही गई है। विभागीय जांच के प्रकरणों में तेजी के लिए संविदा नियुक्त और सेवानिवृत्त अधिकारियों को भी पैनल में शामिल किए जाने की जानकारी दी गई है।

सीजीएमएससी में 6 सौ करोड़ की हेराफेरी

रायपुर,28 जून 2024(ए)। कांग्रेस शासनकाल में स्वास्थ्य विभाग के सीजीएमएससी ने मोक्षित कॉरपोरेशन के माध्यम से छत्तीसगढ़ की राजकोष को किस तरह से खाली किया है ये महज दो साल के ऑडिट रिपोर्ट में सामने आया है। गड़बड़ी का आंकड़ा छोटी रकम नहीं है, गड़बड़ी की रकम इतनी बड़ी है कि इस राशि से पहाड़ खड़ा हो सकता है। अगर सही तरीक़े से जांच हो तो अधिकारी से लेकर मंत्री तक जांच की आंच में आएंगे। ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक करोड़ों की गड़बड़ी की गई है। लेखा परीक्षा की टीम की आरे से सीजीएमएससी की सप्लाई दवा और उपकरण को लेकर वित् वर्ष 2022-24 और 2023-24 के दस्तावेज़ को खंगाला गया तो कंपनी ने बिना बजट आवंटन के 660 करोड़ रुपये की खरीदी की थी, जिसे ऑडिट टीम ने पकड़ लिया है। ऑडिट में पाया गया है कि पिछले दो सालों में आवश्यकता से ज्यादा खरीदे केमिकल और उपकरण को खपाने के चक्कर में नियम कानून को भी दरकिनार किया गया। जिस हॉस्पिटल में जिस केमिकल और मशीन की जरूरत नहीं वहां भी सप्लाई कर दिया गया। प्रदेश के 776 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों सप्लाई की गई, जिनमें से 350 से अधिक ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ऐसे हैं,जिसमें कोई तकनीकी,जनशक्ति और भंडारण सुविधा उपलब्ध ही नहीं थी। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा हमने जांच दल गठित कर दिया है.। चार से पांच आईएएस लेवल के अफसर जांच कर रहे हैं। जल्द ही रिपोर्ट आएगी, उसके आधार पर हम कार्रवाई करेंगे। इस मामले में जिस कंपनी ने दवा और उपकरण सप्लाई की थी उसका करीब 360 करोड़ से ज़्यादा रुपये का भुगतान रोक दिया गया है। बता दें कि एक वेबपोर्टल के मुताबिक सीजीएमएससी में 6 सौ करोड़ की हेराफेरी हुई है।

कवासी लखमा बोले,आपसी गुटबाजी में हार गए चुनाव

रायपुर,28 जून 2024(ए)। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हार के बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस में समीक्षा का दौर शुरू हो गया है। हार की वजह से ढूंढ़ने के लिए कांग्रेस ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई है। यह कमेटी

कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में बैठक लेकर हार की वजह जानने की कोशिश कर रही है। अब इस बैठक को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। इस बैठक में कांग्रेस के पूर्व मंत्री और बस्तर संसदीय सीट से प्रत्याशी रहे कवासी लखमा का गुस्सा फूट पड़ा। कवासी लखमा ने गुटबाजी को लेकर वीरप्पा मोइली समेत वरिष्ठ नेताओं के सामने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बस्तर सीट पर हार के लिए कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी को जिम्मेदार ठहराया। समीक्षा बैठक के दौरान कवासी सहित अन्य नेताओं ने भी संगठन के कामकाज को लेकर सवाल खड़े किए। साथ ही इस बैठक में रायपुर के नेताओं को कम प्रतिनिधित्व मिलने का मुद्दा भी गूंजा। कांग्रेस फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के चेयरमैन एम वीरप्पा मोइली के साथ कांग्रेस नेता हरीश चौधरी, सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, गुरु रुद्र कुमार, प्रेमसाय टेकाम समेत नेता और पदाधिकारी राजीव भवन पहुंचे थे।

यूनिफाईड कमांड की बैठक हुई समाप्त

» माओवाद समस्या के उन्मूलन के साथ विकास पर किया गया मंथन...

रायपुर,28 जून 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सर्किट हाउस रायपुर में आयोजित यूनिफाईड कमांड की बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में माओवादी गतिविधियों में निरन्तर कमी आ रही है। राज्य में केन्द्रीय सुरक्षा बलों और छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा बेहतर तालमेल के साथ माओवादियों के विरूद्ध सफलतापूर्वक चलाये जा रहे संयुक्त अभियान के कारण यह संभव हो सका है। माओवादियों के विरूद्ध चलाये जा रहे सघन अभियान के साथ-साथ शासन की नवीन नियद नेल्लानार योजना के तहत विकास कार्यों में भी तेजी लायी जा रही है, जिससे आम जनता का शासन व प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए सुचारू आवागमन हेतु सड़क, पुल-पुलियों एवं अन्य शासकीय निर्माण कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में संचालित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा किये जाने हेतु आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने के भी निर्देश मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये।बैठक में माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस के सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत बनाये जाने तथा स्थानीय ग्रामीणों को विश्वास में लेकर माओवाद के विरूद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिये गये। साथ ही माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात केन्द्रीय और राज्य के सुरक्षा बलों के जवानों की समस्याओं को लेकर भी चर्चा की गई साथ ही सुरक्षा बलों के कैम्पों में जवानों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य के सीमावर्ती राज्यों विशेषतः महाराष्ट्र, तेलंगाना, आन्ध्रप्रदेश और उड़ीसा के साथ बेहतर समन्वय, सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त कार्यवाही, सम्पर्क मार्गों पर सुरक्षा बलों द्वारा सतत निगरानी के निर्देश दिये गये और सीमावर्ती राज्यों के साथ सूचनाओं को साझा किये जाने पर भी जोर दिया गया। साथ ही यह भी निर्देश दिये गये कि माओवादियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में यह सुनिश्चित किया जाए कि स्थानीय ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो।

इस बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, अपर मुख्य सचिव (गृह) मनोज पिंगुआ, केन्द्रीय गृह मंत्रालय तथा राज्य शासन, केन्द्रीय सुरक्षा बलों एवं राज्य पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न विकास एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

एसीबी ने की बड़ी कार्रवाई

» किसान से रिश्वत लेते पटवारी को रंगे हाथों टीम ने किया गिरफ्तार

खैरागढ़,28 जून 2024(ए)। जिले में में एंटी करप्शन ब्यूरो की एक और बड़ी कार्रवाई सामने आई है। यहां प्रकाशपुर के पटवारी विवेक परघनिया को रिश्वत लेते हुए एसीबी की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद पटवारी को खैरागढ़ के व्यवहार न्यायालय में पेश करने की तैयारी चल रही है। बता दें यह कार्रवाई किसान की शिकायत पर की गई।जानकारी के मुताबिक खैरागढ़ जिले के प्रकाशपुर हल्का नंबर 11 में पदस्थ पटवारी विवेक परगनिया टोलागांव के किसान किशोर दास साहू से जमीनी कागजात में सुधार के नाम पर रिश्वत मांग रहा था। कई दिनों से किसान पटवारी का चक्कर लगा रहा था। कार्य नहीं होने पर किसान ने एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत की।शिकायत की जांच के बाद आज सुबह एसीबी 8 सदस्यीय टीम प्रकाशपुर पहुंची, जहां पटवारी को 4 हजार रुपए के साथ घूस लेते गिरफतार किया गया। बताया जा रहा है कि पटवारी राजनांदगांव के ममता नगर का रहने वाला है। उसके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर एसीबी ने कार्रवाई की है। पटवारी को खैरागढ़ के व्यवहार न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाबू ने दफ्तर में घुसकर एसडीओ की पिटाई की

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,28 जून 2024(ए)। जिले के वन मंडल के दफ्तर में पुराने चर्चित भ्रष्टाचार के मामले में बयान देने आए एसडीओ की क्लर्क ने फाइबर की पाइप से पिटाई कर दी। मामले में पुलिस ने आरोपी क्लर्क को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं एसडीओ को घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है।

वन विभाग का क्लर्क आरोपी परमेश्वर गुर्जर मड़ना डिपो में पदस्थ हैं। यहां पूर्व में पदस्थ वन विभाग के एसडीओ संजय त्रिपाठी ने डीएफओ के प्रभार में रहने के दौरान क्लर्क परमेश्वर गुर्जर को फर्जी प्रमाण पत्र से नियुक्ति पाने के आधार पर नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। इसके खिलाफ परमेश्वर गुर्जर ने इस आधार पर हाईकोर्ट से स्टे ले लिया था कि बिना विभागीय जांच के उसे बर्खास्त किया गया है। इसके बाद वह वन विभाग में फिर से नौकरी करने लगा।इस दौरान संजय त्रिपाठी कटघोरा में एसडीओ के पद पर स्थानांतरित होकर चले गए। हाईकोर्ट से बाबू ने बिना विभागीय जांच के बर्खास्त करने का आधार बता स्टे लिया था। जिसके चलते वन विभाग ने परमेश्वर गुर्जर के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी थी। वन विभाग के एसडीओ रामकुमार सिदार को फर्जी जाति प्रमाण पत्र की जांच हेतु जांच अधिकारी बनाया गया था। आज वन अधिकारी संजय त्रिपाठी मरवाही के एक पुराने चर्चित भ्रष्टाचार के प्रकरण की जांच में बयान देने कटघोरा से मरवाही आए हुए थे। जिसकी जानकारी परमेश्वर गुर्जर को लग गई। जब एसडीओ संजय त्रिपाठी एसडीओ रामकुमार सिदार के साथ बैठे हुए थे।तब दोपहर करीबन 12 बजे बाबू परमेश्वर गुर्जर प्लास्टिक का फाइबर पाइप लेकर वहां पहुंचा। उसने दफ्तर में घुसते ही बिना कुछ बात किया बेरहमी से संजय त्रिपाठी को मारना शुरू कर दिया। उन पर लगातार वार करने लगा। बाबू के गुस्से को देखकर एसडीओ रामकुमार सिदार और अन्य कर्मचारी भी बचाव करने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। कर्मचारियों ने घायल संजय त्रिपाठी को अस्पताल में ले जाकर भर्ती करवाया। हालांकि, चोट गंभीर नहीं है। पुलिस को सूचना मिलने पर शाम होते होते आरोपी बाबू परमेश्वर गुर्जर को हिरासत में ले लिया गया है।

युवती ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर खुद रची थी अपहरण की कहानी

» बिलासपुर में ओयो होटल से दोनों को पुलिस ने पकड़ा

सक्ती,28 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के सक्ती में सीएचओ अपहरण केस में बड़ा खुलासा हुआ है। सरायपाली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ सीएचओ अनुपमा जलतारे के अपहरण की कहानी खुद युवती ने ही रची थी। अपने बॉयफ्रेंड के साथ इस पूरे कारनामे को अंजाम दिया। युवती ने अपने घरवालों के बचने के डर से पुरी कहानी रची और इसी के तहत भाई कलेश्वर जलतारे को फिरौती के लिए फोन भी कराया। पुलिस ने दोनों को बिलासपुर के एक ओयो होटल से बरामद कर लिया है। इस अपहरणकांड की एफआईआर भी पुलिस ने कर ली थी। लेकिन, पूरा मामला फर्जी निकला। पुलिस फिलहाल युवती और उसके बॉयफ्रेंड से पूछताछ कर पूरे मामले की जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रही है। बिलासपुर आईजी डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि सक्ती में अपहरण के मामले जानकारी के अनुसार सीएचओ अनुपमा अनुपमा अपने छोटे भाई के साथ सराईपाली में ही रहती थी। वह अपने भाई के साथ सक्ती आई थीं। वे सक्ती के कचहरी चौक के फल दुकान से फल खरीद रही थीं, तभी वह अचानक गायब हो गई। कुछ देर बाद भाई के पास फिरौती के लिए फोन आया, तो वह डर गया। सुबह फिर फोन आया तो उसने पुलिस को सूचना दी,जिसके बाद एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि जिस जगह अपहरण की बात कही जा रही है, वहां से अपहरण की पुष्टि नहीं हुई। सीएचओ के भाई का कहना है कि वे फल खरीद रहे थे, तभी उनकी बहन वहां नहीं मिली। कुछ देर बाद उनके पास फिरौती का फोन आया। 15 लाख रुपए की मांग की गई है।

पूरे मामले में पुलिस ने खुलासा किया है कि महिला का किडनैप नहीं हुआ था, बल्कि वो खुद अपने ब्वायफ्रेंड के साथ भागी थी। युवती को बिलासपुर से बरामद कर लिया गया है। किडनैपिंग की खबर से सनसनी फैल गयी थी। पुलिस किडनैपिंग को पहले से ही सच नहीं मान रही थी। बावजूद पुलिस ने पूरी तत्परता के साथ जांच शुरू की, तो कुछ ही घंटों में मामला सामने आ गया। जांच में पता चला कि युवती अपने बॉयफ्रेंड के साथ मर्जी से भागी थी और गुमराह करने के लिए उसने किडनैपिंग की झूठी साजिश रची और घर में फिरौती मांगने के लिए भी कॉल करवाया। युवती के कॉल डिटेल और मोबाइल लोकेशन की भी जांच की गई। जांच में युवती अनुपमा की लोकेशन बिलासपुर में मिली। इसके बाद पुलिस टीम जब बिलासपुर पहुंची तो वह अपने प्रेमी के साथ मिली। फिलहाल युवती को सकुशल बरामद कर लिया गया है। पुलिस उसे लेकर सक्ती रवाना हो गयी है।

मेयर का भतीजा जुआ खेलते गिरफ्तार

कांग्रेस पार्षद भी पुलिस की गिरफ्त में

भिलाई,28 जून 2024(ए)। दुर्ग शहर के एक होटल में जुआ खेलते कांग्रेसी पार्षद, महापौर के भतीजे समेत 10 लोगों को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 34,400 रुपए जब्त किया गया है. जुआरियों के खिलाफ छग जुआ अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। यह मामला मोहन नगर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक देर रात होटल ऐविलोन के कमरे में जुआ चल रहा था। महापौर धीरज बाकलीवाल के भतीजे यश बाकलीवाल, राहुल बाकलीवाल और वार्ड 7 के कांग्रेसी पार्षद मनदीप सिंह भाटिया समेत अन्य जुआरी हार-जीत का दांव लगा रहे थे, जिसे पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा. महापौर से संपर्क करने की कोशिश की गई। लेकिन संपर्क नहीं हो पाया, वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि जुआरी यश मेयर का भतीजा नहीं है।

आरोपी के घर चला बुलडोजर

दुर्ग,28 जून 2024(ए)। भिलाई के टाउनशिप ग्लोब चौक में फायरिंग करने वाले आरोपी के घर पर बुल्डोजर कार्रवाई की गई है। आरोपी ने भिलाई सेक्टर 6 के सड़क 31 की बिल्डिंग में अवैध कब्जा कर घर बनाया था। जिसपर बीएसपी के इंफोर्समेंट विभाग के अधिकारी और तोडू दस्ता ने भारी पुलिस बल के साथ पहुंचकर बुल्डोजर कार्रवाई की है. यह बुलडोजर कार्रवाई बीएसपी तोड़ू दस्ते की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। भिलाई के टाउनशिप ग्लोब चौक में मंगलवार-बुधवार दर्मियानी रात नशे में धुत आरोपी अमित जोश ने एक विवाद के बीच तीन राउंड फायरिंग कर दी थी, इस घटना में 2 लोगों को गोली लगी और दोनों की हालात गंभीर बनी हुई है। दोनों को इलाज के लिए रायपुर के अस्पताल में इलाज जारी है।. दोनों घायलों में से एक सुनील यादव जिओ कंपनी का कर्मचारी है और दूसरा आदित्य सिंह उड़ान अकादमी में पीएससी की तैयारी कर रहा है।.

शिवा साहू के लॉकर की तलाशी

जेवरात और डेढ़ करोड़ कैश जब्त

सारंगढ़,28 जून 2024(ए)। कम वक्त में पैसे डबल करने और अच्छे रिटर्न का झांसा देकर लोगों के साथ करोड़ो रूपये की ठगी करने वाले सारंगढ़ के महाठग शिवा साहू को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया हैं। जानकारी के मुताबिक पुलिस को आरोपी शिवा साहू के खिलाफ पांच नई शिकायतें मिली हैं। ये सभी शिकायतें भी लेनदेन और पैसों की ठगी से जुड़ी हुई हैं। इन नई शिकायतों में पीड़ित निवेशकों ने खुद के साथ 29 लाख 50 हजार रुपए ठगी किये जानें का जिक्र किया हैं। इससे इतर पुलिस अब शिवा के बैंक लॉकर तब भी पहुँच चुकी है। बताया जा रहा हैं कि शिवा के बैंक लॉकर से बड़े पैमाने पर सोने-चांदी के आभूषण जब्त किये गए हैं जबकि उनके हाथ नकदी भी लगा हैं। पुलिस ने लॉकर से करीब एक किलो सोना-चांदी और एक करोड़ 52 लाख रुपये नकद बरामद किया हैं। जाँच-पड़ताल में शिवा के पास से नोट गिनने वाली मशीन भी बरामद की गई हैं। इसके अलावा आरोपी शिवा के पास से लैपटॉप और जमीनों के दस्तावेज भी हाथ लगे हैं।

कैदी के पिता को मानवाधिकार आयोग ने दिलाया न्याय

रायपुर,28 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य मानव अधिकार आयोग की अनुशंसा पर 5 वर्ष पहले एक हादसे में कैदी की मौत के मामले में उसके पिता को जेल विभाग की तरफ से आर्थिक क्षतिपूर्ति दी गई है। आयोग ने घटना के करीब साढ़े 4 साल बाद केस की सुनवाई पूरी होने पर 16 जनवरी 2024 को इस संबंध में आदेश दिया था। इसी आदेश के बाद जेल विभाग की तरफ से पीड़ित पिता को रकम देने के बाद उसकी पावती आयोग को दी गई। जानकारी के अनुसार किसी मामल में दुर्गेश यादव को गिरफ्तार कर बेमेतरा उपजेल में 29 मार्च 2019 को लाया गया था। तब से वह जेल में ही था। 6 जुलाई 2019 को जेल की पाकशाला में चावल का भगोना उतारते वक्त कैदी दुर्गेश यादव का पैर फिसल गया। इससे चावल के भगोने का गरम माड़ (पेज) दुर्गेश के पैर और शरीर के अन्य भाग में गिर गया। इसे वह गंभीर रूप से जल गया। जेल प्रशासन, बेमेतरा ने कैदी को तत्काल केंद्रीय जेल, रायपुर ट्रांसफर किया और उसका ईलाज अंबेडकर अस्पताल, रायपुर के बर्न यूनिट में कराया गया। इलाज के दौरान 9 जुलाई को बंदी की मौत हो गई। आयोग ने प्रकरण संज्ञान में लिया। कलेक्टर और एसएसपी रायपुर से इस घटना का प्रतिवेदन मांगा गया। एसडीएम ने इस घटना की जांच की तो कैदी के चावल के माड़ से जलने के कारण मौत की पुष्टि हुई।आयोग ने पूरी मामले की जांच और बंदी दुर्गेश यादव की अप्राकृतिक मृत्यु के कारण और सिविल दायित्व के अंतर्गत, उसके विधिक वरिसानों को पांच लाख रूपये के भुगतान की अनुशंसा की गई थी। इसे मानते हुए जेल विभाग ने मृतक के पिता डोमार यादव को पांच लाख रूपए राशि का भुगतान कर दिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)